सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 353 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 06 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर नवा रायपुर स्थित नए मुख्यमंत्री निवास में गृहप्रवेश किया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवरात्रि के पावन अवसर पर आज विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना कर नवा रायपुर में नवनिर्मित नए मुख्यमंत्री निवास में गृहप्रवेश किया। मुख्यमंत्री ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय के साथ मंत्रोच्चार और शंख ध्वनि के बीच पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपनी माता श्रीमती जसमनी देवी से आशीर्वाद ग्रहण कर गृह प्रवेश किया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रानी डेका काकोटी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस सहित अनेक विधायक और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। गृहप्रवेश कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों ने मुख्यमंत्री को बधाई और शुभकामनाएं दी।

जब दुश्मनों को भारतीय सेना के चौकस कमांडों ने मार गिराया

डेयर डेविल्स के करतब से रोमांचित हुए दर्शक, डबल क्रासिंग ने खूब किया आकर्षित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुख्तासूत्रों से भारतीय सेना को खबर मिली कि दुश्मन हमारे देश में एक और आतंकवादी हमले की तैयारी कर रहे है। भारतीय सेना ने दुश्मन के मंसूबों को नाकामयाब करने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक करने का फैसला लिया। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए भारतीय सेना की 6/11 गोरखा राइफल्स और 1 असम रेजिमेंट के चुनिंदा कमांडोज स्पेशल हेडक्वार्टर्स और संचार केंद्र पर हमले की तैयारी कर रहे थे, तभी दुश्मन के टारगेट की पुख्ता जानकारी हासिल करने के लिए क्लोज टारगेट रेकनिसन्स ऑपरेशन शुरू किया और ड्रोन ने दुश्मन के टारगेट की खोजबीन शुरू की। रात के अंधेरे में किए जाने वाले डिमांस्ट्रेशन की कार्रवाई सुबह की। घातक पलटन के कमांडोज दुश्मन के नजदीक से नजदीक जाकर बिना सरप्राइज खोये दुश्मन के संतरी को मार गिराया। ऐसे रेड की कार्रवाई साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित सैन्य समारोह में दिखाई दी। इस कार्रवाई को देखकर दर्शक काफी रोमांचित हुए।

इस कार्रवाई के दौरान जवानों ने दुश्मन के संचार केंद्र को विस्फोटक लगाकर नेस्तनाबूत कर दिया। इसके बाद दुश्मनों का हेडक्वार्टर्स से संपर्क टूट गया और फिर जवानों ने दुश्मनों के हेडक्वार्टर पर हमला बोल दिया। अत्यधिक फायर कर कमांडोज ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए सेंट्रीज को मार गिराया। फिर डेमोलिशन टीम ने हेडक्वार्टर्स पर बम लगाकर उसे उड़ा दिया। असाल्ट से घबराकर भागते हुए दुश्मन को चौकस कमांडोज ने मार गिराया। इस तरह दुश्मनों के हेडक्वार्टर को घातक टोली ने नेस्तनाबूत कर दिया।

बस्तर के युवाओं ने घुड़सवारी में दिखाया साहसिक करतब

सैन्य समारोह में बस्तर के युवाओं ने अपने जौहर का प्रदर्शन किया। घुड़सवारी के माध्यम से अपनी प्रतिभा दर्शकों को दिखाई। घोड़े में बैठकर युवाओं ने कबूतर को आजाद किया और बाइक के ऊपर से उछलकर पार किया और सामने बैठे एक व्यक्ति के सामने से तेजी के साथ घोड़े ने पार कर लिया, जिसके साहसिक परिचय को देखकर दर्शक काफी रोमांचित हुए।

डेयर डेविल्स के करतब से रोमांचित हुए दर्शक

भारतीय सेना के डेयर डेविल्स ने अपने करतब और अदम्य साहस का परिचय देते हुए रोमांचित कर दिया। डेयर डेविल्स के डबल क्रॉसिंग, पेरलल क्रॉसिंग के करतब को देखकर दर्शकों ने खूब तालियां बजाई। सैल्यूट करते हुए हर जवानों ने चलती हुई मोटरसाइकिल में विपरीत दिशा में सैल्यूट किया। इसके अलावा चलती हुई मोटरसाइकिल पर टैंक के ऊपर विपरीत दिशा में खड़े होकर मोटरसाइकिल चलाते हुए और मोटरसाइकिल की सीट को खाली छोड़कर सम्मान प्रकट किया। इसके साथ ही जंबाज सैनिकों ने मोटरसाइकिल में कमल की आकृति बनाकर प्रस्तुति दी।

देशभक्ति का जजबा जगाने सेना का एक जवान ही काफी-सीएम साय

सैन्य प्रदर्शनी समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि इस प्रदर्शनी में अपनी सेना की ताकत, उनकी क्षमता और हमारे वीर जवानों के शौर्य को देखकर रोमांचित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों में देशभक्ति का जज्बा जगाने के लिए सेना का एक अकेला जवान ही काफी होता है। सेना की वर्दी में किसी चुस्त-दुरूस्त जवान को देखकर ही हमारे भीतर जोश आ जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर जब हम कर्तव्य-पथ पर अपने सैनिकों को परेड करते हुए देखते हैं, तब हर भारतीय के मन में विचार अवश्य आता है कि काश हम भी भारतीय सेना का हिस्सा होते। उन्होंने कहा कि हमारी यह सेना संख्या दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेनाओं में गिनी जाती है। हमारी यह सेना अपने अनुशासन और दक्षता के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है।

श्री साय ने कहा आजादी के बाद देश पर जब-जब खतरा मंडराया, हमारी सेना ने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। आज किसी भी देश की हिम्मत नहीं होती कि वह भारत की ओर आंख उठाकर देखें। इसी तरह हमारे इन जवानों ने देश की आंतरिक सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जब कोई प्राकृतिक आपदा होती है, तब भी हमें सबसे पहले हमारी सेना की याद आती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रदर्शनी में भीष्म टी-90 टैंक, बीएमपी, एल-70 और अन्य आधुनिक सैन्य उपकरणों का अवलोकन कर सकेंगे, जिनका उपयोग हमारे सशस्त्र बलों ने दुश्मनों के खिलाफ विजय प्राप्त करने में किया है। इसके साथ-साथ आप पैरा जंपिंग, खुखरी डांस, डेयर डेविल मोटरसाइकलिंग और घुड़सवारी जैसे हैरतअंगेज और अद्भुत प्रदर्शन का आनंद भी ले पाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस प्रदर्शनी को देखने के लिए युवा साथी बड़ी संख्या में आए हैं। बहुत अच्छी बात है कि लोग अपने बच्चों को लेकर भी यहां आए हैं, इससे निश्चित रूप से ये बच्चे भी प्रेरित होंगे और सेना में शामिल होकर देश सेवा का अवसर मिले तो इसे अपने हाथों से जाने न दें। अग्निवीर योजना भी आपको यह महत्वपूर्ण अवसर देती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कल बस्तर के अबुझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने माओवादी आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में 31 माओवादियों को ढेर कर दिया। इस बड़ी सफलता के लिए सुरक्षा बलों के जवानों को बधाई देता हूं। पिछले 9 महीनों के दौरान हमारे जवानों ने माओवादी आतंकवाद के खिलाफ लगातार बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। अब तक 191 माओवादी को ढेर किया है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई–बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

खुशियां मिलीं सुरक्षा साथ
मेरी पॉलिसी, मेरे हाथ
फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की उपलब्धियाँ
- 19.67 करोड़ किसान भाई-बहनों को अब तक मिला फसल बीमा का लाभ
- ₹ 1.65 लाख करोड़ के दावों का भुगतान किसानों को किया
- 70 करोड़ से अधिक किसान आवेदन प्राप्त

देशव्यापी हेल्पलाइन 14447

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ
महा अभियान
1 - 31 अक्टूबर, 2024

आपके गाँव में होने वाले शिविर में इन विषयों पर जानकारी प्राप्त करें:
- बीमा पॉलिसी, सरकारी नीतियाँ, भूमि अभिलेख एवं दावे और शिकायत निवारण
- किसानों के प्रशिक्षण हेतु फसल बीमा पाठशाला

व्हॉट्सऐप पर हमसे जुड़ें

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार: AIC, Allianz, Chola MS, Future Generali, HDFC ERGO, ICICI Lombard, IFFCO-TOKIO, Kshema, Oriental Insurance, Reliance General Insurance, SBI general, Universal Sompo General Insurance

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा | @PMFBY

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

संपादकीय

आरक्षण की सियासत

अपने देश में आरक्षण पर ऐसी दुखद सियासत होने लगी है, जिसका तथ्य और तर्क से कोई लेना-देना नहीं है। मुंबई में राज्य सचिवालय में शुक्रवार को उस समय अजीब दृश्य सामने आया, जब विधानसभा के उप-सभापति नरहरि झिरवाल और तीन अन्य विधायक तीसरी मंजिल से कूद गए। यह तो भला हो कि नीचे पहले से ही जाल लगाकर सुरक्षा इंतजाम किया गया था। सुरक्षा इंतजाम न होता, तो आत्महत्या की यह कोशिश भारतीय विधायिका पर एक स्याह धब्बा लगा जाती। अगर एक विधायक को अपनी मांग मनवाने के लिए आत्महत्या करने की नौबत आ जाए, तो फिर विधायिका की समग्र व्यवस्था की मजबूती के बारे में क्या कहा जाए? हालांकि, यह सियासत है और विधायक कूदे, क्योंकि उन्हें पता था कि नीचे जाल है। वास्तव में, आत्महत्या की कोशिश का यह दिखावा कोरी सियासत है, उसके अलावा कुछ नहीं। विधायकों के इस कृत्य की सिर्फ निंदा हो सकती है। यह विधायिका को भी शर्मसार करने वाला पल है और इस पर सभी दलों को गंभीरता से विचार करना चाहिए कि आखिर वे देश के सामने कैसी जानलेवा सियासत पेश कर रहे हैं?

> *आत्महत्या का बहाना तो और भी दुखद है। यह सियासी कोशिश वास्तव में आरक्षण मांगने के लिए नहीं है, बल्कि एक जाति विशेष को मिलने जा रहे आरक्षण के विरोध में है। धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने की मांग का विरोध विचारणीय हो सकता है, पर उसके लिए ठोस तर्क या विमर्श की जरूरत है। इन विधायकों को जब लगा कि उनका विरोध काम नहीं कर रहा है और धनगर समुदाय को एसटी में शामिल कर लिया जाएगा, तब उन्होंने कूदने का दुस्साहस दिखाया।*

अब यह सोचने की बात है कि धनगर समुदाय के नेताओं और लोगों को कैसा लग रहा होगा? झिरवाल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजीत पवार गुट के सदस्य हैं। वास्तव में, यह पूरी पार्टी इन दिनों बहुत बेचैन है। सियासी लाभ और चुनाव जीतने के लिए इसके नेता हरसंभव दांव आजमा रहे हैं। उनका यह नया दांव पता नहीं कितना कारगर होगा, पर इससे सत्ता पक्ष और एकनाथ शिंदे की सरकार की किरकिरी तो हो ही रही है। सरकार में भाजपा भी शामिल है और कूदने वालों में एक भाजपा विधायक भी शामिल बताए जाते हैं। वास्तव में, यह सत्ताधारी विधायकों की बेचैनी है। उन्हें इसी महीने चुनावी मैदान में जाना है। जहां आरक्षण मांगने वालों और आरक्षण का विरोध करने वालों, दोनों के भाग्य का फैसला होगा।

वैसे सियासत से अलग आरक्षण का सवाल वाकई अपने देश में बहुत गंभीर होता जा रहा है। ऐसा पहली बार नहीं है, जब किसी को आरक्षण देने या किसी खास श्रेणी में आरक्षण देने का विरोध हो रहा है। राजस्थान में जब गुर्जरों ने अनुसूचित जनजाति में आने के लिए साल 2007 में रेल रोको आंदोलन किया था, तब भी एक दबंग अनुसूचित जनजाति के नेताओं ने विरोध किया था। उस त्रासद आंदोलन में 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे, नतीजा क्या हुआ, आज भी गुर्जरों को कमोबेश ओबीसी वाला ही लाभ मिल रहा है। गुर्जरों के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले किरोड़ी सिंह बैंसला का निधन हो चुका है, पर गुर्जरों की मांग अभी भी जिंदा है। ऐसी अनेक जातियां हैं, जो अपने आरक्षण में बदलाव चाहती हैं, तो क्या तमाम पार्टियां मिलकर आरक्षण के मसले को हमेशा के लिए सुलझाएंगी?

नजरिया

हमें परस्पर जोड़ते नवरात्रि जैसे अखिल भारतीय त्योहार

कई लोगों को अक्सर आश्चर्य होता है कि प्राचीन भारतीय धर्म- हिंदू, बौद्ध और जैन (सिख इतना पुराना नहीं है) कैसे हजारों सालों से जीवित हैं और समृद्ध होते रहे हैं? वह भी बाइबिल या कुरान जैसे पवित्र धर्मग्रंथों और मक्का, वेटिकन या येरुशलम के मार्गदर्शन के बिना।

जवाहर सरकार, पूर्व सांसद और पूर्व संस्कृति सचिव

दरअसल, किसी एक केंद्रीय सत्ता या समान प्रारूप का न होना ही इसकी वास्तविक वजह है। हिंदू धर्म में निहित सहिष्णुता और इसके संघीय स्वरूप ने ऐतिहासिक रूप से अलग-अलग भूगोल में बिखरी 'राष्ट्रीयताओं' को बिना किसी जोर-आजमाइश के एक किया है। इसमें अखिल भारतीय त्योहारों ने मुख्यतः छतरी का काम किया है, जिसके नीचे स्थानीय परंपराओं और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को सार्वभौमिक स्वीकृति मिली। नवरात्रि से इसे समझने का प्रयास कर सकते हैं।

सभी हिंदू शरद ऋतु के इन नौ दिनों और दस रातों पर एकमत हैं, लेकिन विभिन्न क्षेत्रों में इनका पालन अलग-अलग होता है। मोटे तौर पर हम नवरात्रि की व्याख्या तीन क्षेत्रों में बांटकर कर सकते हैं- उत्तर व पश्चिम, पूर्व व कुछ पूर्वोत्तर और तीसरा हिस्सा, दक्षिण। उत्तर और पश्चिम में नौ दिनों तक उपवास व संयमित खान-पान का प्रचलन है, लेकिन यहां दशहरा का जश्न रावण पर राम की जीत के रूप में मनाया जाता है। पूर्व व पूर्वोत्तर राम का नहीं, बल्कि दुर्गा का, वह भी उनके सबसे उग्र रूप का उल्लास मनाता है और बुराई (महिषासुर) पर उनकी जीत की विजयादशमी मनाता है। मगर दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश व मैसूरु में न तो राम और न ही दुर्गा, बल्कि पांडवों की जीत का जश्न है नवरात्रि।

दक्षिण में नवरात्रि के दौरान अलग-अलग देवियों की पूजा भी की जाती है। तमिल पहले तीन दिन लक्ष्मी की पूजा करते हैं और अगले तीन दिन पार्वती या दुर्गा की। आखिरी के तीन दिन सरस्वती का पूजन होता है। हमें लकड़ी के तख्तों पर रखी गई कई गुड़ियों की आकर्षक प्रदर्शनी देखने को मिलती है, जिन्हें बोम्बई कालू या इसी तरह के अन्य नामों से पुकारते हैं। नवरात्रि के अंत में महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे दक्षिणी राज्यों में अस्त्र पूजा की जाती है, जिसमें औजारों व यंत्रों की पूजा होती है, ठीक गंगा के मैदानी इलाकों, बंगाल और पूर्वी हिस्सों में मनाई जाने वाली विश्वकर्मा पूजा की तरह। उत्तर और दक्षिण भारत नौ दिनों में देवी के नौ रूपों की समान पूजा करते हैं, लेकिन पूर्व में बंगाल व उसके पड़ोसी राज्यों में सिर्फ अंतिम तीन दिन और दसवें दिन का जश्न मनाया जाता है। वे खान-पान में कोई प्रतिबंध नहीं रखते, लेकिन मछली-मांस ज्यादा पसंद करते हैं। राजस्थान के कुछ राजपूत परिवार तो बकरे और भैंसों की बलि भी देते हैं।

स्थानीय रीति-रिवाज अखिल भारतीय त्योहारों में किस कदर रच-बस जाते हैं, इसे भी नवरात्रि मनाने के तरीके से समझा जा सकता है। मसलन, महाराष्ट्र में इसे घटस्थापना उत्सव के रूप में मनाया जाता है, जिसमें मिट्टी के एक घड़े में पानी भरकर उसे गीली मिट्टी के आधार पर रखते हैं और उस पर सात प्रकार के खाद्यान्न बोते हैं, जो इन नौ दिनों में अंकुरित होते हैं। गुजरातियों को पता है कि घड़ा उर्वरता का प्रतीक है और वे इसे गर्भ कहते हैं। उनका प्रसिद्ध नृत्य गरबा घड़े के चारों ओर ही होता है, जिसमें एक जलता दीपक रखते हैं। हालांकि, डांडिया रास से मिलन के बाद गरबा का ज्यादातर हिस्सा बदल गया है। गोवा में बर्तन तांबे का होता है और कई अन्य समुदायों ने भी इस दौरान दाल, अनाज, जौ या अन्य बीज बोना शुरू कर दिया है। बंगाल में भी नवपत्रिका, यानी केला, हल्दी, बेल, अनार और धान जैसे नौ पौधों की पत्तियों को दुर्गा पूजा के पहले दिन (सप्तमी) घुटने भर पानी में पवित्र किया जाता है और केला के पौधे व अन्य पत्तियों को साड़ी में लपेटकर कोला बौ (एक हरी दुल्हन) के रूप में देवी के साथ पूजा जाता है।

जाहिर है, विविधता को समेटने की यही भावना लाखों लोगों को एक साथ लाती है। अलग-अलग क्षेत्रों के अनुष्ठान और त्योहार किस कदर एक-दूसरे के करीब आते गए, इसकी पड़ताल मानव विज्ञानी कर सकते हैं। मगर धर्मांतरण सैद्धांतिक रूप से हिंदू धर्म का घटक नहीं है, बल्कि इसमें मतों व रीति-रिवाजों को एकरूप बनाने वाली भावना का लगभग अभाव ही रहा है। लिहाजा, हिंदू धर्म को एकरूप बनाने का कोई भी प्रयास विरोधाभासी ही साबित होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भाजपा संघ को अपना संरक्षक नही मानता

ओमप्रकाश मेहता

एक तरफ शताब्दी वर्ष के दौर की खुशी तो दूसरी ओर उपेक्षा का गम, आज इसी दौर से गुजर रहा है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आज उसकी सबसे बड़ी चिंता यही है, उसकी सोच है कि आजादी के बाद से अब तक सर्वाधिक काल तक कांग्रेस सत्ता में रही, किंतु उस दौर में भी उसकी (संघ की) केंद्रीय सत्ता द्वारा इतनी उपेक्षा नही हुई, जितनी की आज भाजपा के शासनकाल में हो रही है। पिछले साल लगभग इन्हीं दिनों महाराष्ट्र के पूणे में संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक हुई थी, जिसमें भाजपा की चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई थी जिसमें संघ की उपेक्षा के गंभीर आरोप लगे थे, इसके बाद इसी साल केरल में आयोजित संघ की समन्वय बैठक में भाजपाध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का अचानक पहुंचना और वहां यह प्रकट करना कि संघ भाजपा को अपने अधीन न समझे, भाजपा का संघ से समान विचारधारा के अतिरिक्त कोई रिश्ता नही है, यह स्पष्ट करता है कि देश पर राज कर रही भाजपा संघ को अपना संरक्षक नही मानता।

इन्हीं दो प्रसंगों ने संघ की चिंता बढ़ा दी हे, यद्यपि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अब तक इन दोनों घटनाक्रमों के संदर्भ में कुछ नही कहा है, किंतु वे चिंतित अवश्य है और अपने संघ के भावी अस्तित्व के प्रति गंभीर भी। अब इस स्थिति में यह भी संभव है कि संघ प्रमुख भागवत जी स्वयं अपने अस्तित्व की चुनौति को स्वीकार लें और अपने ही स्तर पर संघ को हर दृष्टि से मजबूत और आदर्श संगठन बनाने की ठान ले, इस घटना के बाद संघ प्रमुख की अपनी राष्ट्रव्यापी शाखाओं के प्रति बढ़ी सक्रीयता तो यही संदेश दे रही है, अब उन्होंने देश के सभी राज्यों के संघ प्रमुखों से जीवंत सम्बंध बनाए रखने तथा समय-समय पर उनसे चर्चा करते रहने का भी निश्चय कर लिया है, इसलिए अब संघ ने भाजपा शासित राज्यों में भी अपनी सक्रीयता बढ़ा दी है तथा वह अब अपने अस्तित्व की रक्षा में पूरी तरह जुट गया है। संघ की इस सक्रीयता से भाजपा तथा केन्द्र की चिंता बढना स्वाभाविक है, इसलिए राज्यों के भाजपा प्रमुखों के केंद्रीय संगठन से गोपनीय आदेश जारी किए गए है, जिनमें संघ की दैनंदिनी गतिविधियों पर तीखी नजर रखने को कहा गया है, अर्थात् अब संघ और भाजपा दोनों की ही एक-दूसरे पर तीखी नजर है।

आज संघ की सबसे बड़ी और अहम् शिकायत ही यही है कि आजादी से अब तक के पचहत्तर वर्षों के कार्यकाल में अधिकांश समय कांग्रेस ही सत्ता में रही किंतु कांग्रेस के शासनकाल में भी संघ की इतनी उपेक्षा नही की गई, जितनी पिछले एक दशक से केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही है, अटल-आडवानी जी के राज में भी संघ का निर्णायक अस्तित्व कायम था, जो आज नजर नही आ रहा है और फिर संघ की केरल बैठक में जाकर भाजपाध्यक्ष का दो टूक कथन अपने आपमें भाजपा संघ के रिश्तों के लिए काफी महत्व रखता है।

आज संघ में हर स्तर पर यही बिन्दू विशेष मंथन का विषय बना हुआ है और संघ तथा भाजपा के भावी सम्बंधों पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा रकता है, इसी संभावना को दृष्टिगत रखते हुए दोनों ही संगठनों ने अपने-अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए एक-दूसरे से सम्बंधों पर गंभीर चिंतन शुरू कर दिया है, भाजपा ने जहां अपने शासित राज्यों में संघ की गतिविधियों पर तीखी नजर रखना शुरू कर दिया है, वही संघ ने और अधिक शाखाओं में वृद्धि कर इसे पूरे राष्ट्र में हर स्तर पर कायमी कर उन्हें सक्रिय करने का फैसला लिया है, ऐसी स्थिति में यदि यह माना जाए कि देश में भाजपा व संघ पृथक संगठन बन गए है, तो कतई गलत नही होगा, क्योंकि भाजपा जहां सत्ता के मद में है तो संघ अपना पुरातन वजूद कायम रखने की चिंता में। अब इस स्थिति का परिणाम क्या होगा? यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु भाजपा व संघ के बुजूर्ग वर्ग इस स्थिति को लेकर चिंता मग्न अवश्य है।

(ये लेखक के विचार हैं)

लंबे कार्य-घंटों में छिपी अमानवीयता

श्रम मंत्री ने कहा है कि अन्ना की मौत के मामले की जांच शुरू हो चुकी है और सात से 10 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। लेकिन रिपोर्ट क्या आएगी? क्या लंबे कार्य-घंटों के चलन में कोई गोपनीयता है?

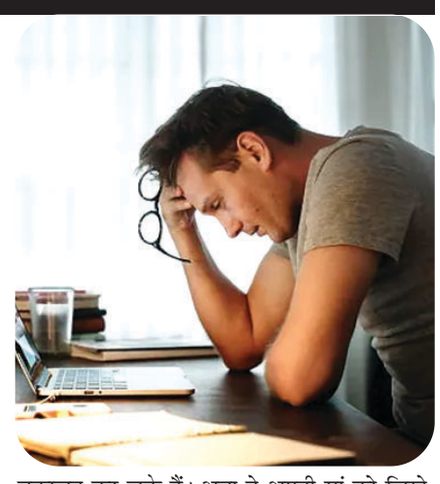

अर्न्स्ट एंड यंग (ईएंडवाई) की कर्मचारी अन्ना सिबैस्टियन पेरायिल की मौत के सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बनने के बाद लंबे कार्य-घंटों में छिपी अमानवीयता को लेकर भारतीय राजनेताओं की संवेदना में क्षणिक हलचल दिखी है। अन्ना के गृह राज्य यानी केरल के नेता ज्यादा आहत नजर आए हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कार्य-घंटों को सीमित करने के लिए एक निजी मेंबर बिल पेश करने की घोषणा की है। थरूर ने कहा है कि किसी को भी एक दिन में आठ घंटों के ज्यादा' काम नहीं करना चाहिए। मामला गरम होते देख सत्ताधारी नेता भी विवाद में कूदे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कॉलेजों एवं संस्थानों को सलाह दी कि वे अपने यहां छात्रों को काम के तनाव को संभालने के लिए प्रशिक्षण का इंतजाम करें। श्रम राज्य मंत्री शोभा करांडजले ने मामले की जांच की घोषणा की। अब श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा है कि जांच शुरू हो चुकी है और सात से 10 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। लेकिन रिपोर्ट क्या आएगी? क्या लंबे कार्य-घंटों के चलन में कोई गोपनीयता है? यह आज की कार्य संस्कृति का हिस्सा है, जिसे बढ़ावा देने में खुद सरकारों का योगदान है।

इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति खुलेआम कर्मचारियों से हफ्ते में 70 घंटे काम लेने की वकालत कर चुके हैं। अन्ना ने अपनी मां को लिखे पत्र में कहा था- काम का बोझ, नया माहौल, और लंबे कार्य-घंटों की कीमत उसे शारीरिक, भावनात्मक, और मानसिक रूप से चुकानी पड़ रही है। लेकिन क्या यह सिर्फ किसी एक कर्मचारी की व्यथा कथा है? ईएंडवाई बहुराष्ट्रीय कंपनी है। उसमें नौकरी हाई-प्रोफाइल मानी जाती है। उसके कर्मचारी उच्च मध्य वर्ग का हिस्सा होते हैं। संभवतः यह भी एक कारण है, जिसकी वजह से अन्ना की मौत मुद्दा बनी और राजनेताओं की संवेदना को भी छू सकी। वरना, इसी समय तमिलनाडु स्थित सैमसंग कंपनी में मजदूरों की हड़ताल चल रही है। कार्य-स्थियों में सुधार उनकी भी एक प्रमुख मांग है। लेकिन यह खबर कितने लोगों के पास है? तो कुल मिलाकर मामला सोशल मीडिया तूफान का है, जिसके थमते ही नेताओं की भावनाएं भी यथास्थिति में चली जाएंगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

पशु कल्याण और संरक्षण के लिए सशक्त कदम

हमारी धरती पर पाए जाने वाले सभी जीव-जंतु पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक होते हैं। पशुओं का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है, बल्कि उनके जीवन और अस्तित्व को सुरक्षित रखने के लिए भी अनिवार्य है। इसी दृष्टिकोण के साथ हर साल 4 अक्टूबर को विश्व पशु कल्याण दिवस मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य पशुओं के अधिकारों और कल्याण की दिशा में जागरूकता बढ़ाना है ताकि सभी जानवरों को बेहतर जीवन मिल सके।

विश्व पशु कल्याण दिवस का इतिहास

इस दिवस की शुरुआत 1931 में इटली के फ्लोरेंस में हुई थी, जब अंतरराष्ट्रीय पशु संरक्षण सम्मेलन में यह दिन वैश्विक पशु संरक्षण के लिए समर्पित किया गया। इस दिन का चयन संत फ्रांसिस ऑफ असीसी के सम्मान में किया गया, जिन्हें पशुओं और प्रकृति का संरक्षक माना जाता है। संत फ्रांसिस का मानना था कि हर जीवित प्राणी सम्मान और दया का हकदार है। इस दिन के माध्यम से पशु कल्याण पर जागरूकता फैलाने का वैश्विक आंदोलन शुरू हुआ, जो समय के साथ व्यापक रूप से स्वीकार किया गया।

भारत में पशु संरक्षण की जरूरत और चुनौतियां

भारत जैव विविधता से समृद्ध देश है, जहां जंगल, पहाड़, समुद्र, और घास के मैदान अनगिनत प्रकार की पशु प्रजातियों का घर हैं। भारतीय संस्कृति में भी पशुओं को विशेष स्थान दिया गया है, चाहे धार्मिक हो या सामाजिक रूप से। फिर भी, तेजी से हो रहे शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और वनों की कटाई के कारण पशुओं के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। कई प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं, जिनके संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

केंद्र और राज्य सरकार की पहल

भारत सरकार ने पशु कल्याण और संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें कई योजनाएं और नीतियां शामिल हैं, जिनका उद्देश्य पशुओं के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

1. पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960

यह अधिनियम भारत में पशुओं पर होने वाले अत्याचारों को रोकने के लिए लागू किया गया है। इसके तहत मारपीट, अत्यधिक भार ढोने और भूखा रखने जैसी क्रूरताओं को अपराध माना गया है। यह कानून पशुओं के प्रति मानवीय व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

2. वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972

यह कानून वन्यजीवों और उनके आवासों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसके अंतर्गत कई राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य और संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना की गई है, जहां वन्यजीव सुरक्षित रह सकें। संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची तैयार कर, उनकी रक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए जाते हैं।

3. राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना

केंद्र सरकार ने देशी गाय, भैंस और बकरी की नस्लों के संरक्षण और संवर्धन के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत गोशालाओं और गोवंशों की देखरेख के लिए विशेष केंद्र स्थापित किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार की पहलें

छत्तीसगढ़ सरकार भी पशुओं के कल्याण और संरक्षण के लिए कई योजनाएं चला रही है। गोकुल ग्रामों की स्थापना के माध्यम से देशी नस्ल की गायों के संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में पशु चिकित्सालय, मोबाइल यूनिट और अन्य चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

भारत के प्रमुख वन्यजीव और उनकी स्थिति

भारत में बाघ, हाथी, गैंडा, शेर, हिमालयी भालू और कई अन्य वन्यजीव पाए जाते हैं। ये जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन कई प्रजातियां जैसे बंगाल टाइगर, हिम तेंदुआ, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, गंगा डॉल्फिन, और लाल पांडा विलुप्ति के कगार पर हैं।

पशु संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत

विश्व पशु कल्याण दिवस हमें याद दिलाता है कि पशु संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। तेजी से बदलते पर्यावरणीय और सामाजिक परिस्थितियों के बीच, पशुओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। भारत और राज्य सरकारें पशु कल्याण के लिए कानूनों और योजनाओं के माध्यम से कार्य कर रही हैं, लेकिन आम जनता की भागीदारी भी आवश्यक है।

आम जनता का योगदान

पशु क्रूरता के खिलाफ आवाज उठाने और संरक्षण के प्रयासों में शामिल होने के लिए हमें जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संस्थाओं को पशु संरक्षण के महत्व पर जोर देना चाहिए। हम अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करके भी पशु कल्याण में योगदान दे सकते हैं, जैसे:

पशुओं के प्रति क्रूरता न करें।

वन्यजीवों के संरक्षण में सहयोग दें।

पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखें।

पशु संरक्षण केवल सरकार और संस्थाओं का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। विश्व पशु कल्याण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हर जीवित प्राणी सम्मान और देखभाल का हकदार है।

एनकाउंटर की स्थिति

अनुज और अक्षय के मामले में समान तथ्य यह है कि जब उनका एनकाउंटर हुआ, वे पुलिस हिरासत में थे। इसलिए यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि उन्होंने कैसे पुलिस के लिए इतना खतरा पैदा कर दिया कि एनकाउंटर की स्थिति बन गई?

महाराष्ट्र में बदलापुर बाल यौन शोषण कांड के आरोपी का एनकाउंटर आरंभ से संदिग्ध था और अब यह एक बड़ा विवाद बन गया है। पुलिस ने कहानी यह बताई कि वह आरोपी अक्षय शिंदे को जांच-पड़ताल के सिलसिले में अपने साथ ले जा रही थी, तभी शिंदे ने एक पुलिस अधिकारी के रिवॉल्वर को छीन लिया और गोली चलाने की कोशिश की। तभी दूसरे पुलिसकर्मियों ने फायरिंग की, जिसमें वह मारा गया।

अब शिंदे के पिता के साथ-साथ पीड़ित बच्चियों के परिजनों ने भी हाई कोर्ट की पनाह ली है। उन्होंने कोर्ट से मामले की अपनी निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की गुजारिश की है। जिस रोज (सोमवार को) ये घटना हुई, उसी दिन उत्तर प्रदेश में जौहरी लूट कांड के आरोपी अनुज प्रताप सिंह भी एनकाउंटर में मारा गया। इसके पहले इस कांड का एक और आरोपी मंगेश यादव भी एनकाउंटर में मारा गया था। तब समाजवादी पार्टी सहित तमाम हलकों से आरोप लगा था कि पुलिस ने जाति देख कर मंगेश को मारा गया, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहजातीय आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया।

मामला कुछ ज्यादा गरम हुआ था। अब संदेह जताया गया है कि जातिवाद के आरोप को गलत साबित करने के लिए अनुज का भी एनकाउंटर कर दिया गया है। अनुज और अक्षय दोनों के मामले में समान तथ्य यह है कि जब उनका एनकाउंटर हुआ, वे पुलिस हिरासत में थे। इसलिए यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि उन्होंने कैसे पुलिस के लिए इतना खतरा पैदा कर दिया कि एनकाउंटर की स्थिति बन गई?

कभी यह चलन में था कि पुलिस हिरासत की हर मौत के बारे में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को तुरंत रिपोर्ट करना जरूरी था तथा ऐसे मामलों की अनिवार्य जांच होती थी। लेकिन अब संस्थाएं अपनी धार खो चुकी हैं। उधर आरोप है कि खासकर भाजपा की राज्य सरकारों ने एनकाउंटर को राजकीय नीति बना लिया है। यह न्याय और संविधान की भावना का खुला उल्लंघन है, लेकिन इस दौर में इन भावनाओं का ख्याल कम-से-कम सरकारी स्तर पर शायद ही बचा है।

(आरएनएस)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

डोंगरगढ़ पदयात्रियों की सुविधा के लिए निरंतर की जा रही सफाई व्यवस्था

भिलाई। शरद नवरात्रि में डोंगरगढ़ बम्लेश्वरी माता के लिए पदयात्री पैदल ही निकलते है। उसको देखते हुए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त बजरंग दुबे के निर्देशानुसार जिस मार्ग से पदयात्रि जा रहे है। वहां पर सफाई व्यवस्था को व्यवस्थित की जा रही है। रोज वहां पर नियमित झाड़ू लग रहा है, आवश्यकतानुसार पानी का छिड़काव भी किया जा रहा है। जिससे पदयात्रियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। सब आराम से दर्शन कर सके। इसके साथ ही नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के सभी दुर्गा पंडालो की साफ-सफाई एवं आवश्यकतानुसार घुलाई के लिए अलग से कर्मचारी नियुक्त किये है। जो प्रतिदिन जाकर साफ-सफाई करते है। आवश्यकतानुसार पंडाल की चारो तरफ घुलाई भी की जा रही है। विधायक एवं महापौर ने सभी श्रद्वालूओ से अपील की है कि स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए आप अपनी पदयात्रा पूर्ण करें। नगर निगम का पूरा प्रयास है, आप को किसी प्रकार की तकलीफन हो। शहर में भी दर्शन करने वाले लोग यातायात नियमो का पालन करें। नगर निगम भिलाई के द्वारा डबरा पारा खुर्सीपार, चंद्रा मोर्या टाकिज, सुपेला घड़ी चैंक, नेहरू नगर चैंक होते हुए बटालियन तक सफाई व्यवस्था सुदृढ़ किया गया है। डस्ट बिन की भी व्यवस्था किया गया है, उसी में कचरा फेकना है, इधर-उधर न फेंके।

टैक्स वसूली का वार्डों में शिविर, वसूली अभियान तेज

दुर्ग। नगर निगम द्वारा टैक्स वसूली अभियान तेज कर दिया है। इसके लिए जोन के अलावा वार्ड स्तर पर भी टेबल लगाकर राजस्व के कर्मचारी टैक्स वसूली करेंगे। निगमायुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बताया कि नगर निगम राजस्व वसूली के लिए सुनियोजित अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बकाया राजस्व वसूली के लिए पूरी राजस्व टीम को वार्डवार शिविर के संबंध में कार्यक्रम निर्धारित कर लक्ष्य के अनुरूप वसूली कार्य सम्पादित करने के निर्देश दिये हैं। निर्देश के अनुक्रम में नगर पालिक निगम द्वारा राजस्व वसुली अभियान के तहत् दिनांक 06 अक्टूबर को प्रात: 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक वार्ड क्रमांक वार्ड-55लक्ष्मी कपड़ा मार्केट पुलगांव,वार्ड-56 एसटीएफ कॉलोनी, बघेरा,वार्ड-49,50,बोरसी जोन कार्यालय के अलावा वार्ड-60 विद्या विहार कॉलोनी एवं वार्ड-45,46 विवेकानंद भवन सहित इंदिरा मार्केट पार्किंग स्थल में शिविर का आयोजन कर दुकानों का किराया वसुली करने हेतु कर्मचारियों की ड्यूटी में शिविर आयोजित किया गया है.जिसमे शिविर लगाकर शत प्रतिशत टैक्स वसूली करने के निर्देश दिए गए है। शिविर में सम्पत्तिकर के साथ साथ जलकर, समेकितकर, दुकान किराया / गुमटी एवं यूजर चार्ज की वसूली की जाएगी। संबंधित भवन स्वामियों के द्वारा सम्पत्तिकर निर्धारण के अंतर्गत नियम 10 (1) तहत हस्ताक्षर करना होगा, जिन वार्डो में शिविर आयोजित न हो उन्हें भी विशेष रूप से वसूली कार्य इस अवधि में संपादित करना अनिर्वाय होगा। साथ ही शिविर के उपरांत कार्यालय में उपस्थित होकर वसूली की जानकारी दर्ज कराया जाना अनिर्वाय है।

उत्साह व उमंग के साथ दिखी गरबा की धूम

मस्ती में थिरकते रहे युवक-युवतियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नवरात्रि के पावन दिनों में गरबा का अपना अलग उत्साह दिखता है। माता रानी की भक्ति के साथ गरबा में थिरकते कदम आकर्षण का केन्द्र होते हैं। शनिवार की रात झरोखा पैलेस में यही उमंग व उत्साह देखने को मिला। गरबा की धुन पर युवक युवतियों के कदम थिरकते रहे। झरोखा पैलेस में गरबा खेलने सैकड़ों की संख्या में युवक युवतियां उपस्थित रहीं। दो दिवसीय इस आयोजन का समापन रविवार रात को होगा।

झरोखा पैलेस में आयोजित गरबा महोत्सव में युवक युवतियां थिरकती रहीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक गजेन्द्र यादव उपस्थित रहे। यही नहीं विशेष अथिति के रूप में दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री चंद्रशिखा उपस्थित थीं। सबसे पहले अथितियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर विधायक गजेन्द्र यादव ने कार्यक्रम में पहुंचे युवक युवतियों को नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी।

आज सांसद विजय बघेल होंगे अतिथि

आयोजक यश चंदेल ने बताया कि पहले दिन सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। यह इवेंट न केवल मनोरंजन वरन हमारी सांस्कृतिक धरोहर को बनाए रखने और उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक प्रयास है। आयोजन के दूसरे दिन इवेंट में फ्री एंट्री रखी गई है। रविवार 6 अक्टूबर को दुर्ग सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि होंगे। वहीं मिसेज एलीट यूनिवर्स कंचन गुप्ता अपने प्रशंसकों के साथ इस खास इवेंट का हिस्सा बनेंगी।

सैकड़ों युवक-युवतियों ने एक साथ किया गरबा

लॉन में सैकड़ों की संख्या में युवक युवतियों ने एक साथ गरबा कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। गरबा में भाग लेने वाली युवतियों व महिलाओं के लिए पारंपरिक परिधान और युवकों तथा पुरुषों के लिए कुर्ता पायजामा ड्रेस कोड रखा गया था। रात 8 बजते ही लोगों का कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना शुरू हो गया। 9 बजे तक कार्यक्रम स्थल पूरी तरह से खचाखच भर गया। इसके बावजूद भी गरबा नृत्य में भाग लेने आने वाले प्रतिभागियों का सिलसिला जारी रहा। यह क्रम रात करीब दस बजे तक जारी रहा। उत्साह व उमंग का वो परवान चढ़ा की जो भी यहां पहुंचा अपने आप को भक्तिरस से सराबोर होने से नहीं रोक पाया। आयोजन के पहले दिन, इवेंट की थीम परंपरागत गरबा पर आधारित थी। जिसमें गुजरात की गरबा परंपरा को उसके मूल रूप में प्रस्तुत किया गया। यह दिन उन सभी लोगों के लिए खास रहा जो गरबा की पारंपरिक धुनों और नृत्य का आनंद लेना चाहते थे।

वैशाली नगर के 16 सरकारी स्कूलों में इंस्टालेशन के लिए पहुंची सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन

हमारी बहन-बच्चियों के उच्च आत्म-सम्मान और शैक्षणिक विकास के लिए है जरूरी : रिकेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शारदीय नवरात्रि पर वैशाली नगर विधानसभा के लिए विधायक रिकेश सेन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर की गई एक और घोषणा आज पूरी हुई है। आपको बता दें कि वैशाली नगर विधानसभा की सभी 16 शासकीय स्कूल जहां छात्राएं अध्ययनरत हैं वहां नि:शुल्क सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन प्रदान की जा रही है ताकि मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों तक सुविधाजनक पहुँच प्रदान कर युवा महिलाओं को सशक्त बनाने, कलंक को तोड़ने और लैंगिक समानता को बढ़ावा मिले।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि मासिक धर्म से जुड़ी चुनौतियाँ स्कूलों में युवा लड़कियों के बीच अनुपस्थिति और स्कूल छोड़ने की दर के प्रमुख कारणों में से एक है। स्कूलों में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन लगाने से मासिक धर्म वाली छात्राओं की मुख्य चिंताओं को दूर करके अनुपस्थिति और स्कूल छोड़ने की दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। मासिक धर्म के दौरान लड़कियों के स्कूल न जाने का एक मुख्य कारण किफ़ायती और स्वच्छ मासिक धर्म उत्पादों तक पहुंच की कमी है। सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन छात्रों को स्कूल परिसर में सैनिटरी नैपकिन का एक विवेकपूर्ण और विश्वसनीय स्रोत प्रदान करके इस कमी को पूरा कर सकती है।

यह सुविधा लड़कियों को स्कूल में रहते हुए अपने मासिक धर्म को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सक्षम बनाती है, जिससे उनका आत्मविश्वास और उपस्थिति बढ़ती है। मासिक धर्म के दौरान छात्राओं की अनूठी जरूरतों को पूरा करने वाला एक सहायक स्कूल वातावरण अनुपस्थिति को कम करने और लड़कियों को उनकी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण है। इससे लगातार उपस्थिति बनाए रखने में स्कूलों को जहां मदद मिलेगी।

16 शासकीय स्कूलों में लगाई जा रही मशीन

श्री सेन ने बताया कि महिला दिवस के दिन सबसे बड़ी घोषणा वैशाली नगर विधानसभा की हमारी बहनों और बच्चियों के लिए मैंने की थी। सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन की पहल के लिए रोटरी क्लब आफभिलाई ग्रेटर के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल से एक मुलाकात के दौरान चर्चा हुई और उनकी टीम ने मशीनों की जिम्मेदारी लेते हुए आज 16 मशीनें उपलब्ध करवाई हैं जिन्हें वैशाली नगर विधानसभा की शासकीय स्कूलों में नवरात्रि के अवसर पर जब हम सभी माता और कन्याओं की पूजा करते हैं, इंस्टाल किया जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर और भी मशीनें उपलब्ध करवाई जाएंगी, ऐसा संकल्प रोटरी क्लब आफभिलाई ग्रेटर द्वारा दोहराया गया है। छत्तीसगढ़ में वैशाली नगर पहली विधानसभा होगी जहां शासकीय स्कूलों में सेनेटरी पैड के लिए मशीन उपलब्ध होगी। मशीन निरंतर सेवाएं देंगी, मशीन में नेपकिन रिफिलिंग की जवाबदारी रोटरी क्लब आफ भिलाई पिनाकल ने ली है।

वेंडिंग मशीनों में हाइजीनिक पैड रखने का फायदा

सभी 16 सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन को विधायक रिकेश सेन को प्रदान करते हुए रोटरी क्लब आफ भिलाई ग्रेटर के प्रेसीडेंट संदीप अग्रवाल और सेक्रेटरी अनंत अग्रवाल ने बताया कि इन वेंडिंग मशीनों में हाइजीनिक पैड रखने का सबसे बड़ा बेनिफिट यह है कि इसमें धूल नमी नहीं पकड़ती, जिससे पैड लंबे समय तक सुरक्षित रहता है, स्कूल में इसके इंस्टॉलेशन होने के बाद बड़े ही सिंपल तरीके से जैसे भी जरूरत हुई टीचर निकालकर पैड दे सकती हैं। मशीन में लॉक की भी सुविधा है, इसकी सेफ्टी के आलावा समय समय पर पिनाकल सदस्यगण इसे रिफिल करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि विधायक रिकेश सेन की यह बहुत अच्छी पहल है, वो भिलाई की सभी स्कूल और कॉलेज में यह मशीन लगवाना चाहते हैं ताकि हमारी बहनें हमारी बेटियों को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े, रोटरी क्लब आफभिलाई ग्रेटर टीम का ऐसा प्रयास होगा कि विधायकजी की इस बेहतर पहल और इच्छा के अनुरूप धीरे धीरे यह मशीनें सभी स्कूल और कॉलेज तक हम पहुंचा सकें।

बीएसपी के एचआर-एलएंडडी विभाग में क्विज प्रतियोगिता के विजेता हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एचआर-एल एंड डी विभाग ने सितंबर-अक्टूबर 2024 में आयोजित 25वीं एआईएमए राष्ट्रीय प्रबंधन क्विज में 5 टीमों को स्पांसर किया है। क्विज प्रतियोगिता में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और निजी क्षेत्र की कुल 125 से अधिक टीमों ने भाग लिया था। सहायक महाप्रबंधक उमेश माल्यथ और वरिष्ठ प्रबंधक निवेश विजन ने मेगा एचआर क्विज में प्रथम रनर-अप और उप प्रबंधक सुष्मिता पाटला व उप प्रबंधक शालिनी चैरसिया की टीम ने द्वितीय रनर अप का स्थान प्राप्त किया। विजेता टीमों ने भिलाई आकर कार्यपालक निदेशक पवन कुमार को विजेता ट्रॉफी सौंपी।

कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने एचआर क्विज की प्रथम और द्वितीय उपविजेता टीमों को 03 अक्टूबर 2024 को सम्मानित किया।

इस सम्मान समारोह में मुख्य महाप्रबंधक निशा सोनी और मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर विशेष रूप से उपस्थित थे। पवन कुमार ने दोनों टीमों को बधाई दी और कहा कि क्विजिंग सत्र के दौरान इस तरह की सीख कर्मचारियों की समग्र प्रबंधकीय भूमिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने एचआर-एल एंड डी विभाग द्वारा लगातार क्विजिंग सत्र आयोजित करने और कर्मचारियों को सीखने हेतु मंच प्रदान करने के लिए विभाग की प्रशंसा की। अन्य दो टीमें जिनमें महाप्रबंधक हरप्रीत सिंह व सहायक उमेश साहू तथा सहायक महाप्रबंधक विकास प्रताप पिपरानी व सहायक महाप्रबंधक आशीष कुमार की टीम इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विजेता बनकर उभरी।

वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के राजभाषा विभाग द्वारा 4 अक्टूबर 2024 को भिलाई इस्पात संयंत्र, मानव संसाधन विकास केन्द्र में वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार थे। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार के साथ कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक डॉ अशोक कुमार पंडा, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार मंचासीन थे।

इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में बीएसपी के विभिन्न विभागों से विभाग प्रमुख एवं उच्च अधिकारीगण, विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारीगण, राजभाषा पखवाड़ा प्रतियोगिताओं के निर्णायकगण तथा विजेतागण उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि अंजनी कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि, भिलाई इस्पात संयंत्र अपने राष्ट्रीय दायित्वों की पूर्ति की दिशा में सदैव ही प्रतिबद्ध रहा है। हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए जिस प्रकार भारत सरकार विभिन्न माध्यमों से निरंतर प्रयासरत है, उसी प्रकार भिलाई इस्पात संयंत्र भी इस दिशा में लगातार विभिन्न आयोजनों के माध्यम से प्रयास कर रहा है। राजभाषा पखवाड़ा के विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं वार्षिक हिंदी पुरस्कार विजेताओं को बधाइयां देते हुए उन्होंने कहा कि, विजेताओं का दायित्व है कि वह अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रति अधिक से अधिक लोगों में अनुराग पैदा करें और हिंदी में समस्त कार्यालयीन कार्य सुनिश्चित करें। सर्वप्रथम, महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन, जनसंपर्क एवं प्रभारी राजभाषा) सौमिक डे ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि हिंदी में कार्यालयीन कामकाज करने के प्रति भिलाई इस्पात संयंत्र का रुझान दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसी क्रम में राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभागियों की संख्या विगत वर्षों की तुलना में बढ़ी है। उन्होंने समस्त अतिथियों का स्वागत किया और हिंदी में शत-प्रतिशत कार्यालयीन कार्य संपादित करने पर जोर दिया।

वार्षिक पुरस्कारों के क्रम में 'निदेशक प्रभारी, राजभाषा वैजयंती' खदान क्षेत्र में 'राजहरा लौह अयस्क समूह' को, संकार्य क्षेत्र में 'मटेरियल्स रिकवरी डिपार्टमेन्ट' को तथा 'गैर संकार्य' क्षेत्र में 'नगर सेवाएँ' विभाग को दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ हिंदी समन्वय अधिकारी का सम्मान सहायक महाप्रबंधक स्मिता जैन को प्रदान किया गया। राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित ऑनलाइन क्विज, निबंध लेखन, तात्कालिक काव्य लेखन, तात्कालिक चित्र देखें-कहानी लिखें तथा भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुस्कार प्रदान किए गए। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने किया तथा आभार प्रदर्शन सहायक महाप्रबंधक स्मिता जैन द्वारा किया गया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

बोरियाखुर्द में 55 फीट का रावण व 40-40 फीट के मेघनाथ और कुंभकरण का होगा दहन

रायपुर। बोरियाखुर्द खेल मैदान में आयोजित होने वाले दशहरा उत्सव की तैयारी में मोहल्ले के लोग अभी से जुट गए है। दशहरा महोत्सव समिति के अध्यक्ष गजेन्द्र तिवारी ने बताया कि इस वर्ष 55 फीट का रावण, 40-40 फीट का मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले का दहण किया जाएगा, जिसे कारीगर अभी से बनाने में जुट गए है।

दशहरा समिति के मीडिया प्रभारी एवं प्रचार प्रसार के विजय वर्मा व फ्लेश्वर साहू ने बताया कि 12 अक्टूबर को सुबह 10 बजे बच्चों एवं युवाओं द्वारा पतंगबाजी के बाद स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके बाद शाम को 7 बजे रावण दहन किया जाएगा इससे पहले भव्य आतिशबाजी की जाएगी। रात्रि 8 बजे से छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध अंजोर लोक कला मंच के गरिमा स्वर्णा दिवाकर के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। इससे पूर्व गुरुवार को आयोजन स्थल पर भूमि पूजन कर तैयारियां प्रारंभ की गई। इस अवसर पर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष लच्छूराम निषाद, उपाध्यक्ष रमेश कुमार नंदे, दूज राम साहू, सचिव रुद्र कुमार साहू, कोषाध्यक्ष कोमल साहू, एनके शुक्ला, लेखराम साहू, संदीप साहू, गोपाल साहू, रोशन लाल साहू, धनराज सतपुते, मोहित सेन समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

छसपा का राज्योत्सव 23 से 31 की शाम को राजधानी में जगह-जगह करेंगे आतिशबाजी

रायपुर। सबसे पहला राज्योत्सव राज्य आंदोलनकारी छसपा ने 1 नवंबर 2000 को मनाया था जिसका अनुसरण राज्य सरकार ने दूसरे वर्ष 2001 से प्रारंभ किया। राज्य आंदोलनकारियों ने राज्योत्सव का क्रम प्रतिवर्ष मनाते आ रहे है और इस राज्योत्सव का नाम रजत जयंती छत्तीसगढ़ राज्योत्सव दिया है, क्योंकि राज्य आंदोलनकारियों का 25वां आयोजन है। राज्य आंदोलनकारी के अध्यक्ष अनिल दुबे, जी.पी. चंद्राकर, जागेश्वर प्रसाद व वेगेन्द्र सोनबेर ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि राजधानी में 23 अक्टूबर को आयोजन का शंखनाद होगा जिसमें तीन पाली का कार्यक्रम आयोजित है। पहला राजधानी में छत्तीसगढ़ के सैकड़ों कलाकार सड़कों पर छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन करेंगे। दूसरे पाली में सभी राज्य आंदोलनकारी छत्तीसगढ़ स्तर पर साल भर आयोजन कर बनायेंगे कार्यक्रम, रथ यात्रा के प्रभारी के साथ चलचित्र प्रदर्शन की रूपरेखा होगी तय। तीसरे पाली में शाम 7 बजे से छत्तीसगढ़ी फिल्म स्टार सुनील तिवारी की टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। यह कार्यक्रम साहू काम्पलेक्स धर्मशाला टिकरापारा में आयोजित किया गया है। चूंकि 31 अक्टूबर की शाम को 7 बजे से राज्य आंदोलनकारी राजधानी रायपुर के 10 जगहों पर आतिशबाजी करके राज्योत्सव मनाएगा।

मुख्यमंत्री साय को रास गरबा में शामिल होने मिला निमंत्रण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज यहाँ नवा रायपुर सेक्टर 24 स्थित निवास में रायपुर रास 2024 के आयोजकों ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को 08 एवं 09 अक्टूबर को बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय रास गरबा के लिए आमंत्रित किया। श्री साय ने आयोजकों को आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया एवं आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी-डॉ. अरुणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रीमती प्रमिला गोकुलदास डागा कन्या महाविद्यालय में शुक्रवार को गरबा महोत्सव का शानदार आयोजन किया गया। गरबा की धुन पर ऐसा रंग जमा कि टीचर संग स्टूडेंट और पूरा स्टाफ एक समय थिरकने लगे। यह आयोजन पिछले कुछ सालों से हो रहा है और डागा कालेज परिवार इसमें हिस्सा लेते हैं। समारोह में डॉ अरुणा पल्टा, पूर्व कुलपति, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग, महाविद्यालय शासी निकाय के अध्यक्ष अजय तिवारी, प्राचार्य डॉ.संगीता घई तथा समिति के अन्य सम्मानित सदस्यगण उत्साहवर्धन करने उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथिडॉ अरुणा पल्टा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शारदेय नवरात्र शक्ति का पर्व है जिसमें देवी के नवरूपों का वर्णन करते हुए छात्राओं को उनके जीवन के विशेष संदर्भ से अवगत कराया कि जब विपत्ति आती है तो उसका सामना करने के लिए स्त्री काली का रुप धारण कर लेती हैं और स्नेह की बात आती है तो ममतामयी माता का रुप धारण कर लेती है।

साथ ही साथ उन्होंने प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान के साथ साथ नैतिक, व्यवहारिक मानवीय मूल्यों तथा गुणों का भी विकास कराना चाहिए। डागा कालेज में यह सब कुछ है,यह जानकार उन्हे बेहद खुशी हुई। बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार भी बहुत जरूरी है। इस अवसर पर महाविद्यालय के डा. पद्मा शर्मा, डॉ. गायत्री शर्मा, डॉ. स्मृति अग्रवाल, डॉ. रेणुका बक्षी, डॉ. शिखा मित्रा, डॉ. पूनम आहुजा समस्त प्राध्यापक गण कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

रोगों के निदान में रेडियोलॉजी का योगदान महत्वपूर्ण : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) सीजी चैप्टर, पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय का रेडियोडायग्नोसिस विभाग और इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईसीआरआई) के संयुक्त तत्वावधान में पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय स्थित स्व. अटल बिहारी वाजपेयी सभागार (नये ऑडिटोरियम) में दो दिवसीय रेजिडेंट एजुकेशन प्रोग्राम (आईआरईपी-2) का शुभारंभ शनिवार को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मनोज पिंगुआ रहे। छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में पहली बार ऐसा राष्ट्रीय स्तर का आयोजन विशेष रूप से रेडियोलॉजी के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए किया गया है। इस आयोजन को राजधानी में कराए जाने में चिकित्सा महाविद्यालय रेडियोलॉजी विभाग से डॉ. आनंद जायसवाल की विशेष भूमिका रही ।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि बीमारियों के उपचार की दिशा में रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग का महत्वपूर्ण योगदान है। रेडियोलॉजी जांच के बाद ही बीमारी की दशा और उसके उपचार की दिशा तय होती है। उपचार की कोई भी विधा हो बिना रेडियोलॉजी और इमेजिंग जाँच के मरीज को क्या उपचार दिया जाए? यह तय करना संभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि प्रदेश का सबसे बड़ा मेडिकल कॉलेज होने के नाते रायपुर मेडिकल कॉलेज में वर्तमान समय में रेडियोडायग्नोसिस एवं रेडियोथेरेपी विभाग में जांच एवं उपचार की अत्याधुनिक मशीन स्थापित है और ऐसा विश्वास है कि आने वाले समय में यह विभाग जांच एवं उपचार तकनीक की दिशा में और भी उन्नत होगा। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मनोज पिंगुआ ने कहा कि रेडियोलॉजी एक ऐसी विधा है जो रोगी के शरीर में उत्पन्न असामान्यताओं का विश्लेषण करके उसका सटीक और प्रभावी उपचार प्रदान करने में अपनी मुख्य भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम के वैज्ञानिक सत्र में दिल्ली के सीएनबीसी पीडियाट्रिक हॉस्पिटल से आई डॉ. नताशा गुप्ता ने बाल चिकित्सा छाती एवं उदर विकृति विज्ञान की व्यापक केस-आधारित समीक्षा विषय पर पीजी छात्रों को पढ़ाया और प्रश्नोत्तरी सत्र के माध्यम से छात्रों के विषय आधारित ज्ञान की परीक्षा ली। पंडित नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय में रेडियोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ.एस. बी.एस.नेताम ने शरीर के निचले अंग यानी लोअर लिंब के वीनस डॉपलर विषय के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए छात्रों को पढ़ाया। फिल्म रीडिंग सत्र- पारंपरिक रेडियोग्राफ विषय पर पटना से आये डॉ. अशोक कुमार मंडल, स्पॉटर्स पर डॉ. सीडी साहू और केस-आधारित समीक्षा और ओएससीईएस: नेफ्रो/यूरो-रेडियोलॉजी विषय पर डॉ. सिकंदर शेख (हैदराबाद) ने व्याख्यान और जानकारी दी।

इस अवसर पर पं.जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी, इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ चैप्टर के संरक्षक, पूर्व डीएमई एवं वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट डॉ. विष्णु दत्त और कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. आनंद जायसवाल, सह सचिव डॉ श्रेयस जायसवाल, रेडियोडायग्नोसिस विभाग से डॉ. विवेक पात्रे, डॉ. शुभकृति अग्रवाल समेत आयोजन कमिटी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विदित हो कि आईआरईपी-2 भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन द्वारा प्रायोजित एक शैक्षिक पहल है जिसका उद्देश्य देशभर के रेडियोलॉजी के स्नातकोत्तर (पीजी स्टूडेंट) को लाभ पहुंचाना है। इसके फैकल्टी मेंबर में रेडियोलॉजी और इमेजिंग के क्षेत्र में देशभर के अनुभवी विशेषज्ञ शामिल हैं। रेडियोलॉजी के स्नातकोत्तर छात्रों के रेडियोलॉजी और इमेजिंग के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में ज्ञान और कौशल को बढ़ावा देने के लिए इस कार्यक्रम में व्याख्यान, केस आधारित समीक्षा और इंटरैक्टिव फिल्म रीडिंग सत्र का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजन अध्यक्ष डॉ. वी.ए. वरप्रसाद, डॉ.ए. अनबरसु, डॉ. ए.ए. उस्मान और सह अध्यक्ष डॉ. एस.बी.एस. नेताम हैं वहीं आयोजन सचिव डॉ. एल.मुरली कृष्णा, डॉ. अमित जी. अग्रवाल और डॉ. आनंद जायसवाल हैं।

सरकारी जमीन पर अवैध प्लॉटिंग प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश के बाद राजस्व अमला अवैध प्लाटिंग को लेकर लगातार कार्रवाई कर रहा है। शुक्रवार को धरसींवा तहसील क्षेत्र में कीमती पर प्रशासन का बुलडोजर चला है। बता दें कि, रायपुर बिलासपुर सिक्स लाइन से लगे ग्राम चरौदा में लगभग दो एकड़ के आसपास भू-माफिया अवैध प्लाटिंग कर टुकड़ों में बेच रहे थे, जिसकी शिकायत रायपुर कलेक्टर से हुई थी। कलेक्टर ने तुरंत एक्शन लेते हुए धरसींवा तहसीलदार जयेंद्र सिंह को कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

तहसीलदार ने शुक्रवार को दल-बल के साथ खसरा नं- 438/7,438/3,438/2, 438/4 438/1 में अवैध प्लाटिंग पर शिकंजा कसते हुए राजस्व अमले ने मौके पर पहुंचकर मुरूम वाले रास्ते पर बुलडोजर चलाकर रास्ता बंद कर बोर्ड लगाया गया है। जिससे आम नागरिकों को अवैध प्लाटिंग के बारे में जानकारी मिल सके।

धरसींवा क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग की बाढ़ सी आ गई है। लगातार धरसींवा तहसीलदार जयेंद्र सिंह कार्रवाई कर रहे हैं। उसके बाद भी भू माफिया अपने हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं?। जिस भूमि पर भूमाफियाओं ने चरौदा में अवैध प्लाटिंग किया है वह धरसीवां तहसील कार्यालय प्रकरण लंबित है। उसके बाद भी भू माफिया जमीन को टुकड़ों में बेच रहे हैं। इधर ग्रामीणों का कहना है कि, सिक्स लाइन से लगे हुए जमीन करोड़ों रुपए ऊपर रेट चल रही है। भू माफिया इसी का फायदा उठा रहे हैं। धरसीवां तहसीलदार जयेंद्र सिंह ने बताया कि, शुक्रवार को रायपुर कलेक्टर के निर्देश पर चरौदा में अवैध प्लाटिंग के खिलाफकार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि, लगातार क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और हल्का पटवारी से प्रतिवेदन मंगवाया जा रहा है, ताकि भू स्वामी को नोटिस जारी किया जा सके।

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने ली अफसरों की बैठक

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा गरबा व दुर्गा पूजा संबंधित राजपत्रित अधिकारियों की पुलिस कंट्रोल रूम में देर रात ग्यारह बजे बुलाकर औचक मीटिंग ली। पूजा दौरान एएसपी ट्रैफिक ओपी शर्मा को अधिकतम बल लगाने को कहा, विशेषकर गरबा स्थल के पास गाड़ियों की पार्किंग व्यवस्थित करने को कहा। आयोजकों के स्वमसेवियों के साथ मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाएं व बड़े आयोजनों में सीसीटीवी जरूर हो। आरआई को पूजा दौरान अतिकित बल लगाने हेतु निर्देशित किया। रात्रि को पुलिस का सड़कों में उपस्थिति बढ़ाने को कहा।

बैंकिंग वित्तीय व बीमा के क्षेत्र में रोजगार की संभावना पर कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय के आईक्यूएसी, इंटरनल क्वालिटी इंश्योरेंस सेल और कॉमर्स संकाय के संयुक्त तत्वाधान आज कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया इसमें विशेषज्ञ के तौर पर बजाज फाइनेंस के मुख्य प्रशिक्षक हेमंत रहेजा शामिल हुए और उन्होंने वित्तीय क्षेत्र में रोजगार की संभावना पर युवा विद्यार्थियों को उपयोगी जानकारियां दी और बताया कि कैसे वित्तीय क्षेत्र में करियर बनाया जा सकता है। आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी, आई क्यू ऐ सी समन्वयक डॉ. प्रेम चंद्राकार, वाणिज्य संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ शांतनु पाल, प्रो. सुधीर जैन सहित सभी संकाय के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए।

आयोजन के दौरान बजाज फाइनेंस के मुख्य प्रशिक्षक हेमंत रहेजा ने कहा कि युवा विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त करने एवं भविष्य को सुरक्षित करने की चुनौती शिक्षक के साथ रहती है इसीलिए महाविद्यालय में अब इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए वैल्यू एडिट कोर्स अप्लाई जा किए जा रहे हैं ताकि अध्ययन अध्यापन समाप्त होने के साथ ही छात्र-छात्राएं रोजगार प्राप्त कर पाए इसमें बैंकिंग सेक्टर एक प्रमुख स्रोत है जहां रोजगार की असीम संभावनाएं हैं इन संभावनाओं को जानते हुए तैयार होना चाहिए उनके द्वारा कार्यशाला में यह बताया गया कि विद्यार्थी किस तरह जिम्मेदार बनना सीखे उसे जिम्मेदारी को कैसे पूरा करें या फिर स्वयं किस तरह से रोजगार प्राप्त करने के योग्य हो सकते हैं के सुझाव दिए गए हेमंत रहेजा का कहना था की विद्यार्थी में अच्छी संचार स्किल विशेषज्ञ निर्णय लेने की क्षमता आत्मविश्वास आदि मौजूद हो तो जल्द ही करियर के तरफ बड़ा जा सकता है उन्होंने लर्नर से अर्नर कैसे बन जा सकता है पर बुनियादी जानकारी दी गई।

यह सत्र काफी महत्वपूर्ण रहा छात्र-छात्रा ने सवाल जवाब के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं को भी शांत किया वहीं आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य ने भी वैल्यू एडेड कोर्स के संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी और बताया कि महाविद्यालय में पढने वाले विद्यार्थियों को रोजगार उन्मुख बनाया जा सके इस दिशा में महाविद्यालय सतत प्रयास करता है उसी के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था आने वाले दिनों में इस तरह के और आयोजन होंगे ताकि छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो सके।

प्रसन्नता के रसायन का सेवन करें : सुधाकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस लाइन में शुक्रवार की परेड के बाद आचार्य महाश्रमण के सुशिष्य मुनि सुधाकर के सान्निध्य में आज गतिमान अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह अंतर्गत अणुव्रत समिति व पुलिस प्रशासन, रायपुर द्वारा तनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन पुलिस परेड़ ग्राउंड में पुलिस अधिकारियों व पुलिस कर्मियों के साथ विशेष रूप में एसएसपी संतोष सिंह की उपस्थिति में किया गया।

मुनि सुधाकर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा मानसिक तनाव की समस्या वर्तमान युग की प्रमुख और जटिल समस्या है उससे छुटकारा पाने के लिए हमें अध्यात्म का सहारा लेना चाहिए आध्यात्मिक नियमों से तनाव प्रबंधन संभव है मुनि सुधाकर ने तनाव प्रबंधन के पांच सूत्रों की चर्चा करते हुए कहा अपने में खुश रहो दूसरों से अपनी तुलना मत करो आगे की फिक्र एवं पीछे का जिक्र मत करो स्वयं पर नियंत्रण रखो परिस्थिति से अधिक मन स्थिति पर ध्यान दो परिस्थितियों बदलती रहती है मनस्थिति न बदले हर परिस्थिति में मुस्कुराते रहें सोच को सकारात्मक रखें एवं इच्छाओं का परिष्कार करें वह अपनी सीमाओं को समझते हुए फ्ल के आग्रह का चिंतन न करें।

एसएसपी संतोष सिंह ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए प्लानिंग कर कार्य करने की सलाह दी ताकि तनाव हमारे से दूर रह सके जिससे समय का सही नियोजन हो सकेगा। तनाव को दूर करने के लिए हमें अपने कार्य क्षेत्र से हटकर भी कार्य करने चाहिए जिससे हमारा ध्यान तनाव से दूर हो कर उस क्षेत्र में लगे जैसे बागवानी, पुस्तक पढ़ना, खेल आदि। उन्होंने बताया कि दुनिया में हम अर्थात पुलिसकर्मी ही नहीं मेडिकल रिपोर्ट अनुसार लगभग पैसठ प्रतिशत लोग तनावग्रस्त है। संचालन नरेंद्र दुगड़, स्वागत स्वर अध्यक्ष कनक चंद जैन व मंगलाचरण इंदु लोढ़ा, ललिता धाड़ीवाल के साथ कार्यशाला का संयोजन अरुण अग्रवाल ने किया।

पर्पल साड़ी पहन गजब की खूबसूरत लगीं श्वेता तिवारी

टीवी और भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन श्वेता तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद ही स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर लोगों के होश उड़ गए हैं।

अपनी एक्टिंग, फिटनेस और खूबसूरती को लेकर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अक्सर सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों पर वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

बता दें इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपने हर अंदाज में कहर ढाती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही लोगों के बीच ट्रेंड करने लगता है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने पर्पल कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो किलर पोज देते हुए फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस की उम्र 43 साल हो चुकी हैं, लेकिन हॉटनेस के मामले में आज भी वो बॉलीवुड की स्टार अभिनेत्रियों को मात देती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस दो बच्चों की मां हैं। उनकी बड़ी बेटी पलक 23 साल की है। श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए रिएक्शंस देते हैं।

अदा शर्मा की नई वेब सीरीज रीता सान्याल का ऐलान

अभिनेत्री अदा शर्मा आगामी सीरीज रीता सान्याल में एक वकील का किरदार निभाती नजर आएंगी और उन्होंने कहा कि उन्हें सिर्फ एक शो में 10 भूमिकाएं निभाने का मौका मिला। अभिरूप घोष द्वारा निर्देशित यह सीरीज प्रशंसित लेखक अमित खान द्वारा रचित चरित्र पर आधारित है।

अदा ने कहा, मैं हमेशा से रीता सान्याल जैसा किरदार निभाना चाहती थी। मैं भाग्यशाली रही हूं कि मुझे टाइपकास्ट नहीं किया गया और मुझे कुछ सराहनीय, कुछ डरावने, कुछ प्यारे किरदार निभाने को मिले। लेकिन जिस पल मैंने रीता सान्याल की स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे लगा कि यह शो मेरे लिए ही है।

उन्होंने कहा कि कलाकार के रूप में हमें अलग-अलग किरदार निभाने के लिए अलग-अलग प्रोजेक्ट करने पड़ते हैं। यहां मुझे एक शो में 10 लोगों का किरदार निभाने का मौका मिला।

उन्होंने बताया कि इस शो में एक्शन, कॉमेडी, ड्रामा, रोमांच, अपराध सब कुछ है।

अदा ने बताया, यह सीरीज एक लड़की के सामने आने वाली चुनौतियों का सार प्रस्तुत करती है जो एक वकील और जासूस के रूप में बड़ा नाम बनाने की कोशिश कर रही है। जो चीज इसे पहले देखी गई चीजों से अलग बनाती है, वह यह है कि रीता सान्याल कॉमिक बुक पढ़ने जैसा है। यह मजेदार और रोमांचकारी है।

इस सीरीज में राहुल देव, अंकुर राठी और माणिक पपनेजा जैसे स्टार कलाकार भी शामिल होंगे।

क्लाइट प्रोडक्शंस के निर्माता और सह-संस्थापक राजेश्वर नायर ने कहा, कहानी सुनाने की कला में मुझे जो कुछ भी पसंद है, वह सब कुछ इसमें है। यह बेहद ही मनोरंजक है। यह दर्शकों को सीटों पर बांधे रखेंगी। अदा ने रीता के किरदार को सहजता से निभाया है और उसे जीवंत कर दिया है। वह एक बेहतरीन अदाकारा हैं और उन्होंने किरदार के साथ पूरा न्याय किया है।

क्लाइट प्रोडक्शंस के बैनर तले राजेश्वर नायर और कृष्णन अय्यर द्वारा निर्मित रीता सान्याल 14 अक्टूबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

रणबीर कपूर की धूम 4 में

धमाकेदार एंट्री, निभाएंगे खतरनाक विलेन का रोल

बॉलीवुड की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म फ्रेंचाइज़ी 'धूम' को लेकर लंबे समय से चर्चाएं हो रही थीं, और अब यह तय हो गया है कि धूम 4 में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका निभाने जा रहे हैं। 2004 में जब आदित्य चोपड़ा ने जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा के साथ धूम बनाई थी, तब इसने बॉलीवुड में एक नए तरीके की कहानी कहने की शुरुआत की थी। जॉन अब्राहम ने ग्रे शेड्स वाले किरदार को बड़े पर्दे पर बेहद कूल अंदाज में प्रस्तुत किया था। इसके बाद 2006 में रितिक रोशन और फिर 2013 में आमिर खान की एंट्री से यह फ्रेंचाइज़ी और भी सफल होती चली गई। अब रणबीर कपूर इस सीरीज़ के चौथे भाग में खलनायक के किरदार में नजर आएंगे।

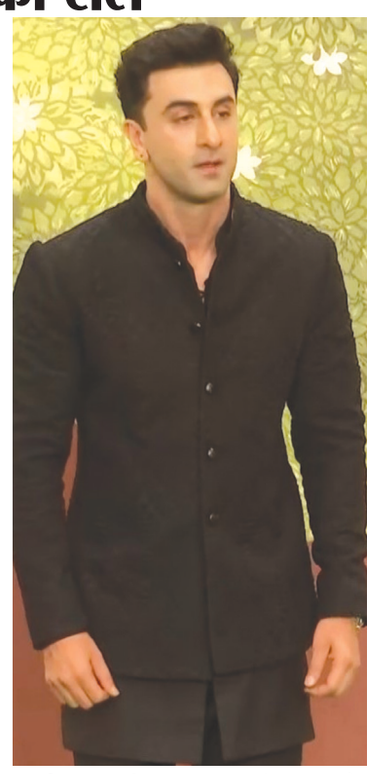

धूम 4 के लिए रणबीर कपूर को नकारात्मक भूमिका में लिया गया है, और यह पूरी तरह से एक रिबूट फिल्म होगी। इसका मतलब है कि पिछली फिल्मों के कोई भी मुख्य कलाकार इस बार नजर नहीं आएंगे। फिल्म में दो नए युवा सुपरस्टार्स को पुलिस की जोड़ी के रूप में कास्ट किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस बार धूम 4 सिर्फ सबसे बड़ी धूम फिल्म ही नहीं होगी, बल्कि भारतीय सिनेमा की ग्लोबल स्टैंडर्ड पर बनी एक भव्य फिल्म होगी।

धूम 4 अब प्री-प्रोडक्शन स्टेज में प्रवेश कर चुकी है, और यह आदित्य चोपड़ा के नेतृत्व में वाईआरएफ (यशराज फिल्म्स) के बैनर तले तैयार की जा रही है। आदित्य चोपड़ा ने पिछले सभी हिस्सों की तरह इस बार भी विजय कृष्ण आचार्य के साथ मिलकर धूम 4 की स्क्रिप्ट तैयार की है। फिल्म की कहानी और विज़न को ऐसा रखा जा रहा है जिससे दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव मिल सके।

रणबीर कपूर के साथ लंबे समय से बातचीत चल रही थी, और अब यह तय हो गया है कि वह इस फिल्म का नेतृत्व करेंगे। रणबीर पहले से ही धूम 4 का हिस्सा बनने में रुचि दिखा रहे थे और अब वह इसके मुख्य अभिनेता के रूप में कंफर्म हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, आदित्य चोपड़ा का मानना है कि रणबीर इस फ्रेंचाइज़ी को आगे बढ़ाने के लिए एकदम सही विकल्प हैं।

धूम 4 की शूटिंग 2025 के अंत या 2026 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है। रणबीर कपूर फिलहाल लव एंड वॉर और रामायण 1 और 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, और इन्हें पूरा करने के बाद वह धूम 4 पर काम शुरू करेंगे। दिलचस्प बात यह है कि धूम 4 रणबीर कपूर के करियर की 25वीं फिल्म होगी और इसे वह एक खास फिल्म बनाने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। इसके बाद वह एनिमल पार्क पर काम करेंगे, जिससे उनका यह दशक शानदार होने वाला है।

यशराज फिल्म्स के पास आने वाले 5 सालों में वॉर 2, अल्फा, मर्दानी 3, पठान 2, टाइगर वर्सेज पठान और धूम 4 जैसी कई बड़ी फिल्में हैं, जो भारतीय सिनेमा में एक नई पहचान बनाएंगी। रणबीर कपूर इस दशक के अंत तक धूम 4, लव एंड वॉर, रामायण फ्रेंचाइज़ी और एनिमल पार्क जैसी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड के शीर्ष स्थान पर अपनी जगह पक्की करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। धूम फ्रेंचाइज़ी की बात करें तो इसकी पहली फिल्म एक कल्ट क्लासिक मानी जाती है, और इसके बाद की फिल्में धूम 2 और धूम 3 ने बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हिट दी थी।

घंटों लैपटॉप पर करते हैं काम तो आखों की थकान को दूर करने के लिए जरूर करें ये एक्सरसाइज

आज के डिजिटल जमाने में आंखों की थकावट या तनाव एक आम शिकायत है। जो अक्सर लंबे समय तक स्क्रीन के सामने रहने के कारण होती है। अगर आप भी इससे जूझ रहे हैं तो अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ खास आदतों को शामिल करके इनसे निजात पा सकते हैं। सिरदर्द, धुंधली दृष्टि और सूखी आंखें जैसे लक्षण डिजिटल आई स्ट्रेन के सभी लक्षण हैं। जो असुविधा को कम करने और आपकी आंखों को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं।

20-20-20 नियम का पालन करें

आंखों की थकान को रोकने के लिए एक आसान लेकिन शक्तिशाली तरीका 20-20-20 नियम है। हर 20 मिनट में 20 सेकंड का ब्रेक लें और 20 फीट दूर किसी चीज़ को देखें। यह आदत आपकी आंखों को आराम देती है, जिससे स्क्रीन पर लगातार ध्यान कम होता है। जो आंखों के तनाव का एक मुख्य कारण है। अपने फ़ोन पर रिमाइंडर सेट करना या ऐसे ऐप का उपयोग करना जो आपको ब्रेक लेने के लिए प्रेरित करते हैं। इस आदत को आसान बनाने में मदद कर सकते हैं।

अपनी लैपटॉप स्क्रीन सेटिंग ठीक करें

आपके डिजिटल डिवाइस पर चमक और कंट्रास्ट सेटिंग आंखों के आराम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सुनिश्चित करें कि आपकी स्क्रीन की चमक आपके परिवेश में मौजूद रोशनी से मेल खाती हो। आपकी स्क्रीन और कमरे की रोशनी के बीच बहुत ज़्यादा कंट्रास्ट आपकी आंखों को ज़्यादा मेहनत करवा सकता है। इसके अलावा, टेक्स्ट का आकार बढ़ाने और एंटी-ग्लेयर स्क्रीन या कोटिंग का उपयोग करके चमक को कम करने से तनाव कम हो सकता है।

ज़्यादा बार पलकें झपकाएं

स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित करते समय लोगों का कम बार पलक झपकाना आम बात है। जिससे उनकी आंखें सूखी और चिड़चिड़ी हो जाती हैं। कंप्यूटर, स्मार्टफ़ोन या टैबलेट पर काम करते समय ज़्यादा बार पलकें झपकाने का सचेत प्रयास करें। पलकें झपकाना आंखों को नम रखने में मदद करता है, सूखापन रोकता है और स्वाभाविक रूप से तनाव को कम करता है। अगर आपको याद रखने में मुश्किल हो रही है। तो अपनी आंखों में नमी बनाए रखने के लिए कृत्रिम आंसू या आई ड्रॉप का उपयोग करने पर विचार करें।

सही लाइट में बैठकर काम करें

अगर आप जिस जगह बैठकर काम कर रहे हैं और वहां लाइट कम हैं तो उससे आपकी आंखों में दिक्कत हो सकती है। इसलिए कम रोशनी वाले कमरे में बैठकर काम न करें। काम करने के लिए ऐसी रोशनी चुनें न तो बहुत ज्यादा तेज और न बहुत ज्यादा हल्का हो। यदि आप कंप्यूटर का उपयोग कर रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि स्क्रीन पर ऊपर की ओर प्रकाश या खिड़कियों से कोई चमक न आ रही हो। अपनी स्क्रीन को ऐसे कोण पर रखें जहां चमक कम से कम हो और अपने कार्यस्थल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए नरम रोशनी वाले डेस्क लैंप का उपयोग करने पर विचार करें।

आंखों की एक्सरसाइज करें

अपनी आखों की मांसपेशियों को मज़बूत बनाएं इसके लिए आप आंखों से जुड़ी एक्सरसाइज करें। आप इस तरह के एक्सरसाइज कर सकते हैं जैसे आंखों को घुमाना, आंखों को हर 10 सेकेंड पर घुमाना। ऐसा करने से आप ज्यादा एकाग्रता से काम कर सकते हैं। आंखों की एक्सरसाइज जरूर करें।

सलमान खान की फिल्म किक 2 का हुआ ऐलान, भाईजान का फर्स्ट लुक आउट

साजिद नाडियाडवाला ने अपनी आगामी फिल्म किक 2 का ऑफिशियल एलान किया है। इतना ही नहीं, प्रोड्यूसर ने फिल्म के सेट से सलमान खान का फर्स्ट लुक भी जारी किया है। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है।

प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर किक 2 से सलमान खान तस्वीर शेयर की है। उन्होंने डेविल की मोनोक्रोम तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा है, यह एक शानदार किक 2 फोटोशूट था सिकंदर। फ्रॉम ग्रैंड, साजिद नाडियाडवाला।

किक 2 से सलमान खान का फर्स्ट लुक सामने आते ही फैंस का रिएक्शन आना शुरू हो गया। एक फैन ने लिखा है, सिकंदर के बाद डेविल। एक दूसरे फैन ने लिखा है, आइकोनिक बैकपोज। एक और फैन ने लिखा है, असली शो अब चालू होने वाला है, क्योंकि अब डेविल आने वाला है। अन्य फैंस ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन को फायर इमोजी से भर दिया है।

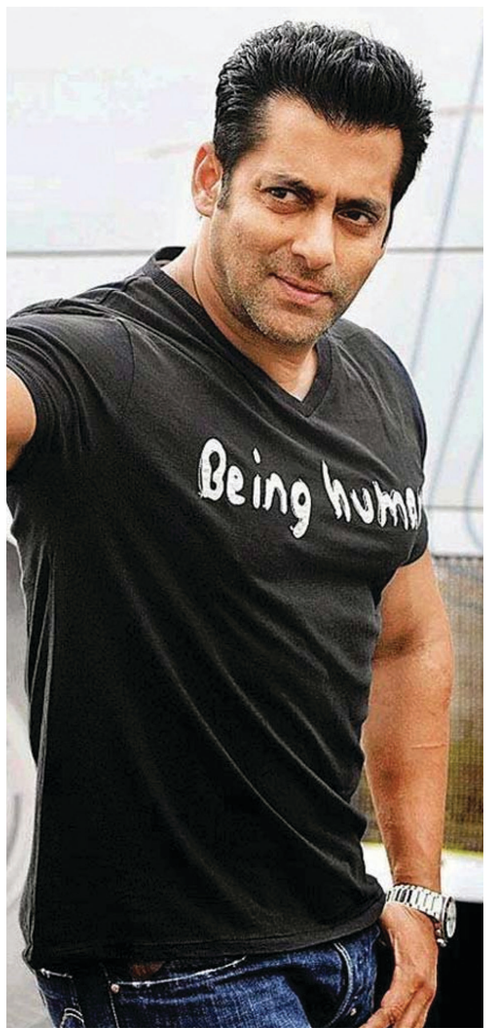

किक 2 सलमान खान की 2014 की फिल्म किक का सीक्वल है। किक नाडियाडवाला की निर्देशन में पहली फिल्म थी, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। सलमान खान की एक्शन फिल्म फैंस और दर्शकों को काफी पसंद आई थी। फिल्म ने 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ था और इसी के साथ यह उस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक फिल्म साबित हुई।

सलमान खान इन दिनों एआर मुरुगादॉस की फिल्म सिकंदर की शूटिंग में व्यस्त हैं एआर मुरुगादॉस की फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। सिकंदर ईद 2025 पर रिलीज के लिए तैयार है।

जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा का बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी, वर्ल्डवाइड 396 करोड़ का आंकड़ा पार

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर स्टारर एक्शन फिल्म देवरा पार्ट 1 ने बॉक्स ऑफिस पर अपना एक हफ्ता पूरा कर लिया है। देवरा ने बीती 3 अक्टूबर को बॉक्स ऑफिस पर सात दिन पूरे किए हैं और फिल्म अपनी रिलीज के 8वें दिन में एंटर कर चुकी है। सातवें दिन फिल्म देवरा की कमाई में बड़ी गिरावट आई है। इससे पहले 2 अक्टूबर को नेशनल हॉलीडे पर फिल्म की कमाई में बड़ा उछाल देखने को मिला था। वहीं, सातवें दिन फिल्म देवरा सातवें आसमान से धड़ाम हो गई है।

बता दें, देवरा ने छठे दिन मोटी कमाई कर भारत में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था। देवरा ने छठे दिन 21 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। सैकनिक्ल के अनुसार, फिल्म देवरा ने सातवें दिन 7 l25 करोड़ रुपये का अनुमानित कलेक्शन किया है। सातवें दिन फिल्म की कमाई में 65 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई गई। घेरलू बॉक्स ऑफिस पर देवरा का कलेक्शन 215 l6 करोड़ रुपये हो गया है।

बता दें, फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 396 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। वहीं, फिल्म देवरा ओवरसीज में अच्छा कमा रही है। देवरा ने ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड फिजी में 850 हजार डॉलर से ज्यादा की कमाई कर ली है। वहीं, फिल्म देवरा ने नॉर्थ अमेरिका में ग्रॉल 5 l3 मिलियन स ज्यादा का कारोबार कर लिया है। बता दें, देवरा एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें जाह्नवी कपूर लीड एक्ट्रेस हैं और सैफ अली खान फिल्म में विलेन के रोल में हैं। इसके अलावा फिल्म में जूनियर एनटीआर का डबल रोल है।

बॉर्डर 2 में सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की एंट्री, सनी देओल संग सीमापार दुश्मनों से लेंगे लोहा

बॉर्डर 2 में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के बाद अब सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की एंट्री हो गई है। फिल्म बॉर्डर में सुनील शेट्टी ने शानदार काम किया था और वह फिल्म में अपने रोल में शहीद हो गए थे। अब फिल्म बॉर्डर 2 में सुनील शेट्टी की कमी को पूरा करने के लिए उनके बेटे अहान शेट्टी को फौजी बनाकर उतारा गया है। सनी देओल और अहान शेट्टी ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैंस को इसकी जानकारी दी है। साथ ही एक टीजर भी जारी किया है।

बॉर्डर 2 के सामने आए टीजर में फिल्म बॉर्डर से सुनील शेट्टी की झलक दिख रही हैं, जिसमें सुनील शेट्टी दुश्मनों से लोहा लेते दिख रहे हैं। वहीं, अब यही काम बॉर्डर 2 में उनके बेटे अहान शेट्टी करने जा रहे हैं। इस फिल्म का बीती जून में एलान हुआ था। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ की एंट्री हो चुकी है और अब फिल्म में अहान शेट्टी फौलादी फौजी के रोल में नजर आएंगे।

बता दें, बॉर्डर 2 को जेपी दत्ता, निधि दत्ता, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। बॉर्डर 2 को अनुराग सिंह डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म बॉर्डर 2 के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि फिल्म 23 जनवरी 2026 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। बता दें, 13 जून 1997 को फिल्म बॉर्डर रिलीज हुई थी, जिसे जेपी दत्ता ने डायरेक्ट किया था। बॉर्डर हिंदी सिनेमा में वॉर फिल्मों की कैटेगरी में सबसे हिट फिल्मों की लिस्ट में टॉप पर आती है। अब देखना होगा कि क्या बॉर्डर 2 वो मुकाम हासिल कर पाएगी, जो बॉर्डर ने किया था।

पानी और पेड़ दोनों को बचा कर रखना है - राज्यपाल

छत्तीसगढ़ में ईको टूरिज्म को बढ़ावा और जल संरक्षण पर दें विशेष ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पानी होगा तो पेड़ रहेगा और पेड़ होगा तो पानी रहेगा, इसलिए दोनों को बचा कर रखना है और हर व्यक्ति को एक पेड़ मां के नाम लगाना है। प्राकृतिक सुन्दरता से भरपूर छत्तीसगढ़ राज्य में ईको टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए साथ ही जल संरक्षण के लिए भी सभी को ध्यान देने की जरूरत है। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज रायपुर में आयोजित हरित शिखर सम्मेलन के समापन कार्यक्रम में उक्त बातें कहीं।

वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के सहयोग से विबगयोर नॉर्थ फांउडेशन और प्रज्ञा प्रवाह संस्था द्वारा आयोजित तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ शिखर सम्मेलन के समापन कार्यक्रम में राज्यपाल श्री डेका बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। श्री डेका ने छत्तीसगढ़ के 32 प्रतिशत वन क्षेत्रों में बेहतर वन प्रबंधन के लिए सरकार को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पहल पर एक पेड़ मां के नाम अभियान में हर व्यक्ति की भागीदारी होनी चाहिए, 140 करोड़ जनसंख्या वाले हमारे देश में हर व्यक्ति एक पेड़ लगाएगा तो देश का परिदृश्य बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने के बाद उसका संरक्षण भी करना होगा। आज जंगलों में अंधाधुंध पेडों के काटे जाने से वहां रहने वाले जानवरों को भोजन की दिक्कत हो रही है, इसलिए वे भोजन की खोज में आबादी वाले क्षेत्रों में आते हैं।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि जल संरक्षण भी बहुत जरूरी है। इस पर सभी ध्यान देना होगा तभी मानव सभ्यता कायम रहेगी। उन्होंने रेन हार्वेस्टिंग को जरूरी बताया और कहा कि अमेरिका में 60 प्रतिशत घरों में रेन हार्वेस्टिंग की व्यवस्था की जाती है लेकिन हमारे देश में यह केवल 10 प्रतिशत ही है, इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है। जो देश पानी बचाता है उसकी अर्थव्यवस्था भी उन्नत होती है।

राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल दिया इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था भी आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सामुदायिक सहभागिता की भावना हमारी लोक संस्कृति से उपजी है। आज के समय में जब पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ती जा रही है, सामुदायिक सहभागिता की भावना हमें मिलकर समाधान खोजने और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से इन चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपनी लोक संस्कृति को सहजने के साथ-साथ इसे पर्यावरण संरक्षण के लिए एक प्रेरणा के रूप में अपनायें। श्री डेका ने अपील करते हुए कहा कि हम मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करेंगे, पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहेंगे और सतत् विकास की राह पर चलेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जंगलों को पुर्नजिवित करने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है और ज्यादा से ज्यादा जंगल लगाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने भविष्य में टूरिस्ट बोर्ड के गठन की जानकारी दी और कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रकृति की रक्षा करना हमारा सबसे बडा कर्तव्य है। कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक वी.श्रीनिवास राव ने स्वागत उद्बोधन करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। एमिटी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीयुषकांत पांण्डेय ने सम्मेलन का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को ग्रीन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ बायो डायवर्सिटी बोर्ड के संचालक राकेश चतुर्वेदी, मेघालय स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमेन सी.पी. मारक, प्रज्ञा प्रवाह संस्था के अतुल नागले, वैज्ञानिक पर्यावरण विशेषज्ञ, प्रोफेसर, प्राध्यापक, अन्य प्रबुद्धजन तथा छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन बना पहचानः हर घर शुद्ध और स्वच्छ पेयजल पहुंचना हुआ आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मोदी सरकार ने देश के सभी गांवों में हर घर तक साफऔर सुरक्षित पानी पहुंचाने की संकल्पना के साथ 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन की शुरुआत की थी। इस योजना का उद्देश्य भारत के ग्रामीण इलाकों में नल के जरिये स्वच्छ जल पहुँचाना है। मोदी की गारंटी के अनुरूप छत्तीसगढ़ की विष्णु देव सरकार ग्रामीणजनों को शुद्ध और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

जल जीवन मिशन योजना माहिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है, क्योंकि घर में पानी की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी आमतौर पर महिलाओं की होती है। पानी की व्यवस्था के लिए महिलाओं को लंबी दूरी तय करने के साथ-साथ समय भी जाया करना पड़ता था। घर मे नल से जल उपलब्ध होने से शारीरिक थकान से मुक्ति मिलेगी और जो समय बचेगा उसका उपयोग किसी अन्य कार्य को करने में किया जाएगा।

जल जीवन मिशन के तहत् नल जल योजना से रायपुर जिले के धरसींवा विकासखंड के ग्राम नकटी में जल उत्सव का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत के सरपंच श्रीमती कुमुद टण्डन ने बताया कि अब गांव के सभी परिवार को शुद्ध पेयजल मिलने लगा है। उनका कहना है कि पूर्व में कुएं और हैंड पंप से पानी भरना पड़ता था, जिसमें अतिरिक्त मेहनत के साथ ही काफी समय व्यय होता था। पानी की शुद्धता भी बहुत अच्छी नहीं रहती थी। प्रदेश सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत् घर-घर नल से जल पहुंचाने की पहल से हमारे तथा हमारे परिवार तथा गांव की अन्य परिवारों की समस्याओं का निदान हो गया है। निश्चित समय पर नल से पानी आ जाता है।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना

लक्ष्मीप्रसाद को अपना आशियाना बनाने में मिली मदद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के तेजी से बढ़ते शहर बिलासपुर में ड्राइव करें और आपको निर्माण स्थलों को अनदेखा करना मुश्किल लगेगा। आवासीय और वाणिज्यिक इमारतें, मॉल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और अन्य निर्माण कार्य शहरी परिदृश्य पर हावी हैं। फ़िर भी हमारे आस-पास के भौतिक वातावरण को आकार देने वाला कार्यबल अनौपचारिक बस्तियों में रहता है, घरों में जो उन्होंने खुद के लिए बनाए हैं।

बिलासपुर की एक उभरती हुई बस्ती में, शहर की हरी-भरी गलियों से दूर। लक्ष्मीप्रसाद और उनकी पत्नी ने अपने छह सदस्यों के परिवार के लिए दो कमरों का मिट्टी का घर बनाया। लाखों शहरी गरीबों की तरह जो हाशिये पर रहते हैं, लक्ष्मीप्रसाद और उनके परिवार ने एक विजयी यात्रा दर्ज की है, उन्होंने अधिकारों और सुविधाओं तक पहुँच के लिए बातचीत करके और इसे लचीला बनाने के लिए समाधान खोजकर अपने हाथों से अपना घर बनाया है। यह एक मामूली घर हो सकता है, लक्ष्मीप्रसाद द्वारा एक निर्माण श्रमिक के रूप में बनाए गए विशाल घरों के विपरीत, लेकिन एक घर, चाहे कितना भी छोटा क्यों न हो, आश्रय, वस्तु और निवेश होता है। पिछले कुछ सालों में लक्ष्मीप्रसाद और उनके परिवार को सभी सदस्यों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक बड़े घर की ज़रूरत महसूस हुई है। अपने रहने की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए उत्सुक लक्ष्मीप्रसाद ने एक सक्रिय कदम उठाया और अपने शहर के श्रम संसाधन विभाग का दौरा किया। जब उन्होंने मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास योजना के बारे में सुना, जो कि छत्तीसगढ़ के श्रम विभाग की एक योजना है, जिसके तहत निर्माण श्रमिकों को आवास सहायता प्रदान की जाती है, तो उन्होंने तुरंत अपने आवेदन के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज जुटाने शुरू कर दिए। थोड़े इंतजार के बाद, लक्ष्मीप्रसाद का आवेदन स्वीकृत हो गया और परिवार को श्रम विभाग से 1,00,000 रुपये मिले। यह बीज निधि जीवन बदलने वाली साबित हुई। इसने न केवल परिवार के अपने खुद के स्थायी घर के सपने को पुष्ट किया, बल्कि उनके विश्वास को भी मजबूत किया कि ऐसा घर उनकी पहुँच में है।

परिवार ने सामूहिक रूप से सरकारी सहायता के अलावा अपने पैसे जमा किए और एक सुरक्षित और स्थायी घर का निर्माण शुरू किया। यह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण था। जिसने एक अधिक सुरक्षित और आरामदायक रहने वाले वातावरण की ओर यात्रा को चिह्नित किया। लक्ष्मीप्रसाद की कहानी मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास योजना जैसी लक्षित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से प्राप्त किए जा सकने वाले सकारात्मक परिणामों को उजागर करती है।

वे न केवल भौतिक आश्रय प्रदान करते हैं और उसे उन्नत करते हैं, बल्कि गरिमा, सशक्तीकरण और उज्जवल भविष्य की आशा की भावना भी बढ़ाते हैं। सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करके और आवास सहायता तक समान पहुंच सुनिश्चित करके, हम अधिक समावेशी और सतत विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

माधो वाटिका में ट्रेमपोलिन पार्क का विधायक एवं महापौर ने किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। माधो वाटिका (ठगड़ा डैम) में बच्चों के खेलने के लिए और विस्तार किया गया। विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने बड़ी विद्यार्थियों के साथ नवनिर्मित ट्रेमपोलिन पार्क का शुभारंभ किया और बच्चों के आयु के अनुरूप बनाए गए जोन में खेल का लुफ्त भी उठाये। लगभग 35 लाख की लागत से बने 2000 स्क्वायर फ़ीट में बने है सॉफ्ट प्ले एरिया बच्चों के मनोरंजन के साथ फ़िजिकल एक्टिविटी को ध्यान में रखा गया है।

विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर ने माधो वाटिका (ठगड़ा डैम) में सॉफ्ट प्ले एवं ट्रेमपोलिन पार्क एरिया का शुभारंभ कर वाटिका का निगम के इंजिनियर के साथ निरिक्षण किये। परिसर में एडवेंचर को बढ़ावा देने को लेकर प्लानिंग पर चर्चा किये। एडवेंचर एक्टिविटी के तहत जीप लाइनर (डाउन टू अप) लगवाने तथा वाटर बैलुन पर प्राककलन तैयार करने निर्देश दिए है, जिससे शहर के बीचोबीच स्थित इस वाटिका में जनता को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके। लगभग 35 लाख की लागत निर्मित ट्रेमपोलिन 2000 स्क्वायर फीट में बना है। इसमें 3 साल से 12 साल तक के बच्चे खेल सकते है। इसमें झूले, फिसलपट्टी है। बच्चों को आकर्षित करने कलरफुल अलग अलग तरह के गेंद है। इसमें 5 साल से 50 की उम्र के लोग खेल सकते है। इन खेल पूरी तरह से फिजिकल एक्सरसाइज की तरह है, जिससे तीव्र गति शरीर का कैलोरी बर्न होता है।

नीति आयोग संपूर्णता अभियान समापन समारोह हुआ संपन्न

दंतेवाड़ा। जिला पंचायत के सभागार में आज ''नीति आयोग'' के तहत आकांक्षी जिला कार्यक्रम के संपूर्णता अभियान का समापन संपन्न हुआ समारोह में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम आकांक्षी जिला के तहत निर्धारित पैरामीटर में तय लक्ष्य जैसे स्वास्थ्य,सुपोषण, एनआरएलएम,कृषि, सामाजिक विकास,शिक्षा के शत-प्रतिशत संतृप्तीकरण के लिए इन विभागों के मैदानी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि ''नीति आयोग'' दिए गए लक्ष्य कोई नये लक्ष्य नहीं है बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है। एक जनजागृति उत्पन्न करने के लिए यह अभियान प्रारंभ किया गया था, क्योकि यह ऐसे लक्ष्य है जो कही ना कही भौगोलिक समस्या अथवा एक बड़े समुदाय में व्यवहार परिवर्तन के मददे् नजर उद्देश्यों के पूर्ति में बाधक थे। बहरहाल विभागों द्वारा इन चुनौती पूर्ण कार्यों को एक समय-सीमा पूर्ण किया जाना इन बधाई का पात्र बनाता है। उन्होंने ने आषा व्यक्त किया कि इसी सकारात्मक मानसिकता से हमें ''नीति आयोग'' द्वारा भविष्य में दिए जाने वाले अन्य लक्ष्यों को भी शत-प्रतिशत पूर्ण करने के प्रयास करना होगा और इस कार्य में पूरा शासन-प्रशासन आपका सहयोग करेगें।

इस समापन समारोह में विभिन्न विभागों के मैदानी कर्मचारियों द्वारा संपूर्णता अभियान के तहत किए गए प्रयासों एवं गतिविधियों के बारे में भी उपस्थितों को अवगत कराया गया। उल्लेखनीय है कि ''नीति आयोग'' अंतर्गत जिले में विभिन्न विभागों से संबंधित 6 विकास सूचकांक निर्धारित किए गए थे। इन में महिला बाल विकास विभाग के तहत नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत पूर्ण टीकाकरण वाले बच्चों का प्रतिशत,कृषि में वितरित मृदा स्वास्थ्य कार्डों की संख्या, शिक्षा में माध्यमिक स्तर पर कार्यात्मक बिजली सुविधा वाले स्कूलों का प्रतिशत, शैक्षणिक सत्र शुरू होने के 1 महीने के भीतर बच्चों को पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने वाले स्कूलों का प्रतिशत, स्वास्थ्य विभाग में पहली तिमाही के भीतर प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, ब्लॉक में लक्षित जनसंख्या के मुकाबले मधुमेह की जांच किए गए ।

बालको ने राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य को दिया बढ़ावा

कोरबा-बालकोनगर। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के अवसर पर समुदाय में बच्चों, किशोरों और माताओं के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किये। इस साल की थीम 'सभी के लिए पौष्टिक आहार' के अनुरूप संतुलित एवं पोषणयुक्त आहार के महत्व को सुनिश्चित करते हुए पौष्टिक विकल्प को बढ़ावा दिया गया। जिला स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न सामुदायिक भागीदारों के सहयोग से पोषण जागरूकता अभियान को संचालित किया गया।

पोषण माह अभियान नंद घर, आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर केंद्रित था। विशेषज्ञों के नेतृत्व में पोषण जागरूकता सत्र और स्थानीय सामग्री का उपयोग करके स्वस्थ खान-पान को प्रोत्साहित करने के लिए सामुदायिक रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रेसिपी प्रशिक्षण में माताओं ने सरकार द्वारा प्रदान किए गए टेक होम राशन (टीएचआर) का उपयोग करके पौष्टिक भोजन तैयार करना सीखा। इसके साथ ही स्वास्थ्य शिविर में कुपोषण और एनीमिया को रोकने के लिए माताओं एवं बच्चों की जांच की गई। समय पर एनीमिया लक्षण की जानकारी से उचित उपचार संभव हुआ। सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए 'पोषण की बातें, पुरुषों के साथ' नामक पहल की शुरूआत की गई। इसमें घर के पुरुषों को बच्चों और परिवार के स्वास्थ्य तथा पोषण महत्व पर जानकारी प्रदान की गई।

समापन समारोह में सामूहिक प्रयास का जश्न मनाया गया। समुदाय में रोल मॉडल के रूप में काम कर रही माताओं को ष्चैंपियन माताष् के रूप में सम्मानित किया गया। गर्भवती दम्पति के विशेष प्रशिक्षण सत्र में माता-पिता दोनों को अपने बच्चे के समग्र विकास में समान रूप से योगदान देने तथा गर्भावस्था और बचपन के दौरान आपसी सहयोग पर मार्गदर्शन दी गई। कंपनी ने अपने प्रयासों की प्रतिबद्धता को दिखाते हुए 'पोषण टाक्स' वीडियो की एक सीरीज शुरू की, जिसमें पोषण संबंधी प्रमुख विषयों को दिखाया जाएगा। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के सहयोग से नंद घर में मिलेट शेक वितरण अभियान का शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही एक मासिक 'पोषण पत्रिका' का शुभारंभ किया गया जिसमें चैंपियन माताओं की कहानियाँ और व्यावहारिक, पौष्टिक व्यंजन की जानकारी दी गई।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको का दृष्टिकोण एल्यूमिनियम उत्पादन से आगे सामुदायिक भलाई तक फैला हुआ है, कंपनी सभी के लिए उज्जवल एवं स्वस्थ भविष्य को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। हमारा प्रयास है कि हर बच्चा आगे बढ़े और हर मां को वह देखभाल मिले जिसकी वह हकदार है। पोषण माह के दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य का जश्न मनाना, स्वस्थ समुदायों के पोषण के प्रति हमारे प्रयासों को दर्शाता है। बालको प्रचालन के आसपास रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिला एवं बाल विकास विभाग, रायपुर के उप निदेशक श्री दिलदार सिंह मरावी ने सामुदायिक स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने में सरकार और उद्योग के बीच परस्पर सहयोग के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग में हम महिलाओं और बच्चों के पोषण स्वास्थ्य और सशक्तिकरण में सुधार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

कलेक्टर ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों का जायजा लिया। साथ ही प्रस्तावित नव निर्माण कार्यों पर संबंधित एजेंसी और अस्पताल प्रबंधन से चर्चा की। उन्होंने मरीजों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक बदलावों के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान सुश्री चौधरी ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी और आपातकालीन विभाग का दौरा किया। उन्होंने मरीजों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और अस्पताल में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मरीजों ने अस्पताल में साफ-सफाई और डॉक्टरों के व्यवहार को लेकर संतोष व्यक्त किया। कलेक्टर ने अस्पताल के चिकित्सकों और कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी का भी अवलोकन किया और ड्यूटी चार्ट की समीक्षा की। ओपीडी के निरीक्षण के दौरान कर्मचारी के देर से आने पर उन्होंने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस तरह की लापरवाहियों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। आईसीयू का दौरा करते हुए कलेक्टर ने डॉक्टरों और स्टाफ से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं के बारे में जाना। उन्होंने आश्वासन दिया कि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

फर्जी एसबीआई बैंक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, सक्ती में बैंक खोलकर कई लोगों से की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ति। पिछले दिनों जिले में एक फर्जी एसबीआई बैंक खुलने का मामला सामने आया था। शातिर ने न सिर्फ बैंक खोला बल्कि यहां लोगों को नौकरी पर भी रखा और इसके एवज में भारी भरकम रकम भी ली। फर्जी एसबीआई बैंक का मामला सामने आने के बाद उसे बंद कराया गया। अब इस पूरे कांड का मास्टर माइंड पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। पुलिस ने इस मामले में सारंगढ़ बिलाईगढ़ निवासी अनिल भास्कर को गिरफ्तार किया है।

बता दें जिले के ग्राम छपोरा में 27 सितंबर को एसबीआई बैंक का फर्जी शाखा होने की सूचना पर पुलिस ने बैंक अधिकारियों की उपस्थिति में बैंक में छापा मारा गया था। जिसमे 6 कर्मचारी मौके पर काम के लिए पहुंचे हुए थे। इन लोगों ने बताया कि अनिल भास्कर नाम के शख्स ने एसबीआई बैंक में नौकरी लगने के नाम पर पैसा लेकर ट्रेनिंग में भेजा गया था। जांच पड़ताल के बाद बैंक फर्जी होने पर मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस को मास्टर माइंड अनिल भास्कर की तलाश थी।

जब मामले की जांच शुरू हुई तो इस दौरान अनिल भास्कर को उसके निवास स्थान ग्राम दुम्हनी थाना बिलाईगढ़ में अपने घर में होने की सूचना पर टीम पहुंची और पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि

लोगो से ठगी किए रकम में से कुल रकम 6,60,000 रुपए अलग-अलग यूपीआई आईडी से प्राप्त करना, जिस रकम से अपने नाम पर सेकंड हैंड कार को खरीदना तथा बचे हुए रकम में कुछ रकम को मामले में सहयोगी अन्य साथी को दे दिया। इन रुपयों से विवो कंपनी का नया मोबाइल भी खरीदा।

ठगी की रकम से खरीदी कार व नगदी 83 हजार जब्त

पुलिस ने इस घटना में प्रयुक्त वन प्लस एवम अन्य फोन को तथा ठगी रकम से खरीदी गई कार आई-20 क्रमांक सीजी 10 डब्ल्यू 7400 को जब्त किया गया है। आरोपी के बैंक खाता में बचत रकम 83,000 रुपए को सीज कराया गया है, आरोपी से 04 लाख का कार, 03 नग मोबाईल फोन, तथा खाता में बचत रकम 83000 कुल 5,03,000 रुपये का मशरुका जप्त किया गया है। पूछताछ पर उनके अन्य 08 सहयोगियों के नाम का भी खुलाशा हुआ है जिनका एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में अलग-अलग टीम बनाकर गिरफ्तारी हेतु रवाना किया गया है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। आरोपी अभ्यस्त एवं शातिर प्रवृत्ति का है, जिसके विरुध्द रेलवे में नौकरी लगाने के नाम पर 7,50,000 रुपए की ठगी करने का थाना तोरखा जिला बिलासपुर में भी धोखाधड़ी का अपराध पंजीबध्द है इसके अलावा आरोपी द्वारा अलग-अलग जगहों में अनेकों व्यक्ति से अलग-अलग विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी किया गया है।

खास खबर

क्रिश्चियन कम्यूनिटी चर्च में लगी भीषण आग, राज्य स्तरीय संगीत प्रतियोगिता के दौरान हादसा

भिलाई। सेक्टर-4 स्थित क्रिश्चियन कम्युनिटी चर्च में शनिवार रात अचानक आग लगने से सनसनी मच गई। शार्ट सर्किट से लगी आग देखते ही देखते ही फैलने लगी। आग दौरान पटाखों की तरह धमाके भी हो रहे थे। इस दौरान अफरा तफरी मच गई। चर्च में मौजूद लोगों ने सूझबूझ दिखाई और आग पर काबू पाया। इसके बाद इलेक्ट्रीशियन को बुलाकर व्यवस्था ठीक कराई गई।

मिली जानकारी के अनुसार सेक्टर 6 स्थित क्रिश्चियन कम्युनिटी चर्च में शनिवार को राज्य स्तरीय संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से कई प्रतिभागी पहुंचे थे। रात को कार्यक्रम के दौरान शॉर्ट सर्किट हुई और देखते ही देखते आग फैलने लगी। इस दौश्रान बिजली के तारों में स्पार्किंग इतनी तेज हो गई कि पटाखों जैसी आवाज गूंजने लगी। इसके बाद चर्च में मौजूद लोगों ने अपने प्रयासों से आग पर काबू पाया। आग से किसी को चोट नहीं आई। लोगों की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया।

सड़क हादसा : दुर्ग में हाइवा के नीचे आई युवती, निकुम में बाइक सवार की मौत

दुर्ग। जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में युवक और युवती की मौत हो गई। पद्मनाभपुर थाना अंतर्गत तेज रफ्तार हाइवा ने स्कूटी सवार पिता-पुत्री को टक्कर मार दी। पहिए के नीचे आने से बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिता को मामूली चोटें आईं। वहीं अंडा थाना अंतर्गत बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन टक्कर मारकर भाग गया।

पद्मनाभपुर थाना पुलिस ने बताया कि बोरसी निवासी स्वाति पटेल (34 वर्ष)शनिवार दोपहर अपने पिता के साथ स्कूटी पर सवार होकर महाराजा चौक की तरफ से आ रही थी। इसी दौरान न्यू कलकत्ता स्वीट्स के सामने हाइवा (सीजी 07 बीआर 8285) चालक ने वाहन को एकाएक मोड़ दिया। इस पर स्कूटी सवार दोनों हड़बड़ा कर गिर गए। इस दौरान स्वाति हाइवा के पिछले पहिए के नीचे आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हाइवा को जब्त कर स्वाति के शव को पोस्टमार्टम के लिए दुर्ग मोर्चरी भेज दिया है। घायल पिता को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। इधर, अंडा थाना अंतर्गत निकुम के रहने वाला संतोष निषाद शुक्रवार शाम बाइक (सीजी 07 बीएस 9973) पर जा रहा था। शाम करीब 6 बजे निकुम बाजार में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। राहगीर उसे स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दंतेवाड़ा- नारायणपुर एनकाउंटर : मारे गए 16 नक्सलियों पर था 1 करोड़ 30 लाख का इनाम

आइजी सुंदरराज पी ने कहा- नक्सलियों के खिलाफ मिली बड़ी सफलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा/नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा नारायणपुर सीमा पर हुए मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों की टीमें कैंप में लौट आई हैं। सुरक्षाबलों ने 31 शवों को बरामद किया और भारी मात्रा में आधुनिक हथियार बरामद किया है। नक्सलियों के खिलाफअब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन को लेकर पुलिस ने जानकारी साझा की। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और नारायणपुर की सीमा पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ को लेकर आईजी सुंदरराज पी. ने कहा कि सारी बाधाओं को हम तोड़ रहे हैं, इस मुठभेड़ में अब तक की शिनाख्त के आधार एक करोड़ 30 लाख रुपये के इनामी नक्सली मारे गए हैं। आईजी सुंदरराज पी. ने आगे कहा कि डीएसपी लेवल के जबांज जवानों के नेतृत्व में बड़ी सफलता मिली है।

आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि अनुसार तीन अक्तूबर को नारायणपुर-दंतेवाड़ा से डीआरजी व एसटीएफ की संयुक्त पार्टी ग्राम गोवेल, नेंदूर, व थुलथुली की ओर रवाना हुये थे। चार अक्तूबर को नेंदूर-थुलथुली के जंगल में पुलिस पार्टी एवं माओवादियों के बीच

मुठभेड़ शुरू हुई जो की देर शाम तक लगातार चलती रही।इस मुठभेड में डीकेएसजेडसी, डीवीसी, पीएलजीए कंपनी नंबर 6 के कई कैडर सहित 18 पुरूष और 13 महिला कुल 31 सशस्त्र वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद किए गये हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में नक्सलियों के घायल होने की संभावना है। मृत नक्सलियों में 25 लाख की इनामी पूर्वी बस्तर इंचार्ज नीति उर्फ उर्मिला भी शामिल है। मौके से एलएमजी, एके 47, एसएलआर, सहित कई ऑटोमेटिक हथियारों की बरामदगी भी इस ऑपरेशन की ऐतिहासिक सफलता है।

मारे गये नक्सलियों में 16 की हुई शिनाख्त, 15 की शिनाख्ती बाकी

मुठभेड़ में मारे गये नक्सलियों में 16 की शिनाख्त हो गई है। इन 16 नक्सलियों पर एक करोड़ 30 लाख से ज्यादा का इनाम घोषित है। इस मुठभेड़ में मारे नक्सलियों में नीति डीकेएसजेडसी, सुरेश सलाम डीवीसीएम, मीना माडकम डीवीसीएम, अर्जुन पीपीसीएम पीएलजीए कंपनी 6, सुंदर पीपीसीएम पीएलजीए कंपनी 6, बुधराम पीपीसीएम पीएलजीए कंपनी 6, सुक्कू पीपीसीएम, पीएलजीए कंपनी 6, सोहन, एसीएम, बारसूर एसी, फूलो पीपीसीएम पीएलजीए कंपनी 6, बसंती पीपीसीएम पीएलजीए कंपनी 6, सोमे पीपीसीएम पीएलजीए कंपनी 6, जमीला उर्फ बुधरी, पीएलजीए कंपनी 6, रामदेर एसीएम, सुकलू उर्फ विजय एसीएम, जमली एसीएम व सोनू कोर्राम व एसीएम अमदेयी आदि शामिल हैं। वहीं अन्य 15 नक्सलियों की शिनाख्तगी कार्रवाई जारी है।

मुठभेड़ में 31 नक्सलियों के शव बरामद

पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा गौरव राय ने बताया कि- पूर्वी बस्तर डिवीजन क्षेत्र के दुर्गम जंगल एवं विकट भौगोलिक परिस्थितियों में रहने वाले मूल निवासियों को नक्सलवादी विचारधारा से बचाना और उन्हें माओवादी सिद्धांतों के आकर्षण से बाहर निकालना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है, जिससे क्षेत्र में विकास एवं शांति कायम हो सके। हम उन सभी मूलवासियों जो बाहरी विचारधारा और बाहर के नक्सली नेताओं के गलत प्रभाव में फंस गये हैं उनसे अपील करते हैं कि वे नक्सलवाद एवं नक्सली विचारधारा को त्याग कर शासन की आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति को अपनाकर समाज के मुख्य धारा से जुड़े और हथियार और नक्सलवादी विचारधारा का पूर्णत: त्याग व विरोध करें।

इस साल अब तक 733 नक्सलियों ने किया सरेंडर

पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. ने बताया कि वर्ष 2024 में माओवादियों संगठन के शीर्ष नेतृत्व को सुरक्षा बल द्वारा भारी क्षति पहुंचाई गई। नौ महीने में माओवादी कैडर को सुरक्षाबलों द्वारा कई मुठभेड़ ढेर किया गया। प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के उद्देश्य से स्थानीय जिला पुलिस बल, डीआरजी तथा केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों द्वारा आपसी बेहतर तालमेल एवं रणनीति के साथ काम करने के परिणाम स्वरूप वर्ष 2024 में बस्तर संभाग अंतर्गत की जा रही नक्सल विरोधी अभियान के दौरान अब तक कुल 188 नक्सलियों के शव बरामद, 706 गिरफ्तार एवं 733 नक्सलियों द्वारा आत्मसमर्पण किया गया है।

जशपुर में नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी ने दी थी जान से मारने की धमकी, डर के कारण डेढ़ माह दबा रहा मामला

शिकायत के बाद पुलिस की गिरफ्त में बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मां की डांट से नाराज होकर 14 वर्षीय नाबालिग से घर निकलकर पंचायत भवन के पास बैठी थी। रात को गांव के ही बदमाश युवक ने डरा धमका कर उससे दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके कारण नाबालिग ने किसी को कुछ नहीं बताया। घटना के डेढ़ माह बाद मामले में शिकायत हुई तो पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक के खिलाफधारा 137(2), 64(1), 65(1), 351(3) एवं 4, 6 पॉस्को एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

फिलहाल जानकारी के अनुसार 39 प्रार्थिया ने शनिवार को थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई की उसकी नाबालिक पुत्री 14 साल की है। 19 अगस्त 2024 के शाम के समय घरेलू बात को लेकर उसने अपनी 14 साल की बेटी को डांटा था। तो उसकी बेटी नाराज होकर घर से बाहर चली गई थी। रात लगभग 9:30 बजे गांव की एक महिला ने उसे फोन कर बताया कि आपकी बेटी पंचायत भवन के पास बैठकर रो रही है आकर ले जाओ। तब प्रार्थिया अपनी पुत्री को वहां से लेकर घर आई, उस समय इसके साथ क्या हुआ इस बात की जानकारी प्रार्थिया को नहीं थी एवं पुत्री हमेशा गुमशुम रहने लगी थी।

लगभग एक महीने के बाद प्रार्थिया को उसकी पुत्री ने बताया कि जब वह उसे डांटी थी, उस समय नाराज होकर भवन के बाहर जाकर बैठी थी। इसी दौरान 08:30 बजे लगभग दीनदयाल भगत ने पीछे से आकर इसके मुंह को बंद करके कुछ दूर ले जाकर जबरदस्ती दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसी डर से अपने परिजनों को अपने साथ घटित घटना के बारे में नहीं बता रही थी। प्रार्थिया के रिपोर्ट करने पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

महिला संबंधी गंभीर अपराध घटित होने पर पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह द्वारा आरोपी के तत्काल गिरफ्तारी करने के संबंध में निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के परिपालन में थाना प्रभारी द्वारा दबिश देकर उसके निवास से आरोपी दीनदयाल भगत को अभिरक्षा में लेकर थाना लाया गया। पूछताछ में आरोपी ने उक्त नाबालिक लड़की के साथ अपराध घटित करना स्वीकार किया है। प्रकरण की विवेचना कार्यवाही एवं आरोपी की गिरफ्तारी में निरीक्षक सरोज टोप्पो, एएसआई नारायण प्रसाद साहू, प्रधान आरक्षक अरविंद साय पैंकरा, आरक्षक लव कुमार चौहान, राजेन्द्र रात्रे इत्यादि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

एक लाख के इनामी सहित चार नक्सलियों ने किया सरेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। सुकमा में नक्सलियों के खिलाफचलाए जा रहे हैं अभियान के तहत एक बार फिर से बड़ी कामयाबी पुलिस को मिली है जहां 1 ईनामी नक्सली सहित कुल 4 नक्सलियों के द्वारा आत्मसमर्पण किया। छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति एवं नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित कर पुलिस के बढ़ते प्रभाव से आत्मसमर्पण किया गया।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पद के अनुरूप 1 नक्सली पर 1 लाख रूपये का घोषित है ईनाम। नक्सलियों को आत्मससमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में नक्सल सेल, डीआईजी कोंटा, सुकमा, जगदलपुर रेंज फिल्ड टीम (आरएफटी) एवं 50, 150, 219, 241 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखाओं के कार्मिकों की रही है विशेष प्रयास । जिला सुकमा में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में छत्तीसगढ़ शासन की ''छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों के द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर नक्सली संगठन में सक्रिय 1 ईनामी नक्सली सहित कुल 4 नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

सरेंडर करने वालों में माड़वी जोगा पिता मल्ला उम्र लगभग 27 वर्ष, मुचाकी मासा पिता स्व. मुचाकी हड़मा उम्र लगभग 38 वर्ष, सुन्नम राजू पिता स्व. सुन्नम भीमा उम्र लगभग 30 वर्ष तथा मड़कम लच्छा पिता मुदराज उम्र लगभग 32 वर्ष शामिल है। इन सभी नक्सलियों ने अमृतेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी 50 वाहिनी सीआरपीएफ निरीक्षक अभिलाष टण्डन, प्रभारी डीआरजी जिला सुकमा के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किये है।

देवी को खुश करने शख्स ने खुद की चढ़ाई बली, धारदार हथियार से काटा अपना गला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के धरसींवा थाना क्षेत्र में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 55 साल के शख्स ने देवी मां को प्रसन्न करने के लिए खुद की बली चढ़ा दी। शख्स ने घर पर जोत-जवारें की स्थापना की थी। पूजा पाठ के बाद आज उसने धारदार हथियार से खुद की गला काट लिया। मौके पर ही शख्स की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं इस घटना के बाद गांव में हड़कंप मचा हुआ है। सूचना के मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिली जानकारी के घटना धरसींवा थाना अंतर्गत तिल्दा ब्लॉक के ग्राम पंचायत

निनवा की है। यहां रहने वाले भुनेश्वर यादव पिता किसन यादव (55) द्वारा नवरात्रि पर्व के दौरान शनिवार को अपने घर पर खुद की बली चढ़ा दी। भुनेश्वर यादव ने अपने घर के अंदर स्थित देवस्थान के सामने धारदार वस्तु अपनी गर्दन काटकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद देवस्थान वाला कमरा खून से लथपथ हो गया। यह घटना आज सुबह लगभग 11:00 की बताई जा रही है।

अंधविश्वास से दूर रहें लोग : डॉक्टर दिनेश मिश्र

इस मामले में अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉक्टर दिनेश मिश्र ने कहा कि कोई भी देवी देवता प्राण की बलि नहीं मांगता है। अगर ईश्वर को आप अपना मानते हैं, तो कोई भी नहीं कहेगा की उसके लिए आप अपनी जान दे दें। ये एक प्रकार का अंधविश्वास है जिससे लोगों को बचना चहिए। इससे पहले भी कई बार ऐसे बातें सामने आई है कि लोग अपनी जीभ, उंगली काट लेते हैं ये सब अंधविश्वास है और इससे लोगों का ही नुकसान है।

घटना के बाद गांववालों की लगी भीड़, मौके पर पहुंची पुलिस

घटना के बाद आसपास के लोगों की घर पर भीड़ उमड़ पड़ी और देखते ही देखते पूरे गांव को इसकी जानकारी लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर घटनास्थल पहुंची। इस दौरान जांच में पुलिस ने देखा कि भुनेश्वर मृत अवस्था में जमीन पर खून से लथपथ पड़ा है। इसके बाद पुलिस ने भुनेश्वर यादव का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। घटना में पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं बलि देने से आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई है।

जल संरक्षण के लिए जल-जगार अनुकरणीय पहलः सीएम साय

प्रधानमंत्री जी के हर घर नल से जल के संकल्प को पूरा कर रही है छत्तीसगढ़ सरकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धमतरी जिले के रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध में आयोजित जल जगार महोत्सव के शुभारंभ समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन धमतरी द्वारा जल जगार महोत्सव मनाया जा रहा है, जो अनुकरणीय पहल है। उन्होंने कहा कि पानी का अधिक दोहन हो रहा है, लेकिन जल संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया जाता। धमतरी जिले में भी जल स्तर काफी नीचे जा रहा था, किन्तु जल जगार से सकारात्मक और क्रांतिकारी परिवर्तन आया है, जिसके लिए जिला प्रशासन बधाई का पात्र है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के देवी-देवताओं का स्मरण करते हुए लोगों नवरात्रि की बधाई दी। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगर बड़ा करने की ठान ले तो यह कोई बड़ी बात नहीं है। हर घर नल से जल पहुंचाने प्रधानमंत्री जी के संकल्प को जलजीवन मिशन के तहत गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का कार्य हमारा है। उन्होंने कहा कि माओवाद प्रभावित क्षेत्र के आदिवासियों के लिए नियद नेल्ला नार योजना चलाई जा रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। नक्सलवाद का खात्मा करने सरकार प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री के 2047 के विकसित भारत के संकल्प को साकार करना है, मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को मां के नाम पेड़ लगाने का आह्वान भी किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश के संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता विभाग मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि जल बचाने की दिशा में जिला प्रशासन बेहतर और इनिशिएटिव कार्य कर रहा है, जिसे धमतरी ही नहीं, पूरे प्रदेश और देश के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि जल जगार के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को एक बड़ी सौगात दे सकते हैं।

विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि आज के परिवेश में जल संरक्षण बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री ने जलजीवन मिशन के तहत घर घर पानी देकर संदेश दिया है। पानी का मूल्य और महत्व को सभी को समझना होगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ी गीत के माध्यम से जल की महत्ता को बताया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री मंत्री और कुरूद विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि यह अपने आप मे एक नवाचारी कार्यक्रम है। धमतरी जिले में 04 बड़े जलाशय होने के बाद भी यहां का भूजल स्तर गिरना चिंता का विषय है। सामुदायिक भागीदारी से जल संरक्षण किया जाना प्रशंसनीय है और इसे जन-जन का आंदोलन बनाना होगा।

इसके अलावा महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी, कांकेर सांसद भोजराज नाग, ने भी जिले में चल रहे जल जगार महोत्सव की सराहना करने हुए अनुकरणीय बताया। इस अवसर कांकेर विधायकआशाराम नेताम, पूर्व विधायक रंजना साहू, श्रवण मरकाम, पिंकी शाह, इंदर चोपड़ा सहित जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ नागरिक मंच पर मौजूद थे।

जल जगार में जल संचय और जल संरक्षण के लिए मंथन

रायपुर। धमतरी में रविशंकर जलाशय (गंगरेल बांध) के किनारे आयोजित जल जगार में देश-विदेश के नीति निर्माता, पर्यावरणविद, विशेषज्ञ और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि जल संचय और जल संरक्षण पर संवाद कर रहे हैं। वे यहां आयोजित अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन में जल संचय और जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों के सफल कार्यों की कहानी साझा कर रहे हैं। वे इनके प्रभावी उपायों पर गहनता से विचार-विमर्श करने के साथ ही धरातल पर उतारने की कार्ययोजना भी तय कर रहे हैं। जल जगार में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बीच आज अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन के पहले दिन केन्द्रीय कृषि तथा किसान कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय की अपर सचिव श्रीमती अर्चना वर्मा, पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध पर्यावरणविद सर्वश्री पोपटलाल पवार, श्यामसुंदर पालीवाल और उमाशंकर पाण्डेय तथा अर्थशास्त्री एवं शहरी विकास विशेषज्ञ प्रो. अमिताभ कुंडु ने सम्मेलन को संबोधित किया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने जल जगार के उद्देश्यों और धमतरी जिले में जल संचय व जल संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय कृषि तथा किसान कल्याण की अपर सचिव डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी ने कहा कि धमतरी में जल संरक्षण की पहल पुरानी है। यहां की 'ओजस्वी' एफपीओ (कृषक उत्पाद संगठन) ने कम पानी में होने वाले धान की खेती प्रारंभ की थी। उन्होंने बताया कि धान की ऐसी बहुत सी प्रजाति है जो कम पानी में होती है और जल्दी पकती है। उन्होंने इस तरह की और भी प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने नए बीजों और अन्य फसलों की खेती पर भी ध्यान देने को कहा। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय की अपर सचिव श्रीमती अर्चना वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन में कहा कि हमारे पूर्वजों के पास जल संचय और जल संरक्षण के बहुत से तरीके थे। वे पानी की एक-एक बूंद का सम्मान करते थे। हमारी जलशक्ति अभियान का भी मूल उद्देश्य पानी की धरोहरों के प्रति सम्मान को वापस लाना है। जल संचय और जल संरक्षण के काम में जन भागीदारी बहुत जरूरी है। उन्होंने जल जगार के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह जल संरक्षण से लोगों को जोड़ने की बहुत अच्छी पहल है। इससे संस्कृति, समुदाय और युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है। पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध पर्यावरणविदों और जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सर्वश्री पोपटलाल पवार, श्यामसुंदर पालीवाल और उमाशंकर पाण्डेय ने सम्मेलन में जल संचय और जल संरक्षण की सफल कहानियां साझा की। श्री पवार ने कहा कि जलस्रोतों में कम से कम 20 प्रतिशत पानी रिचार्ज के लिए छोड़ना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने पीकू द वाटर गार्जियन मॉडल का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री द्वारा व्यर्थ बहते पानी के नल को बंद करते ही बड़ी स्क्रीन में दिखी उनकी लाइव तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धमतरी में जल-जगार महोत्सव में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष प्रकार के नवाचारी मॉडल पीकू द वाटर गार्जियन संरचना का लोकार्पण किया। उन्होंने पीकू मॉडल के नल से व्यर्थ बह रहे पानी के नल को बंद कर लोगों को पानी बचाव का संदेश दिया। नल को बंद करते ही नल के ऊपर लगे कैमरे ने मुख्यमंत्री सहित उनके साथ में मौजूद अन्य जनप्रतिनिधियों की फोटो बड़े एलईडी डिस्प्ले में दिखाई। इससे यह संदेश दिया गया कि पानी के बचाव करने वाले की लाइव फोटो प्रदर्शित कर उनको जल वीर के रूप प्रोत्साहित किया जा रहा है।

दरअसल पीकू मॉडल पूरी तरफअनुपयोगी धातु तत्वों या स्क्रैप मैटेरियल से निर्मित है। यह मॉडल लोगों को जल के बचाव और जल संरक्षण करने वालो को प्रोसाहित करने की अनूठी पहल है।

इसमें स्क्रैप मैटेरियल से मयूर के छोटे बच्चे की आकृति बनाई गई है। आकृति के मुख से पानी बाहर निकल रहा है, जो कि व्यर्थ पानी के बहाव को दर्शाता है। आकृति में 2 कैमरे लगे हुए है, जो पानी के व्यर्थ बहाव को रोकने के लिए नल को बंद करने वाले की लाइव फोटो बाजू में लगे बड़े एलईडी स्क्रीन में दिखाता है।

फोटो दिखने से पानी के व्यर्थ बहाव को रोकने वाले को प्रोत्साहित करता है। साथ ही दूसरो को भी जल बचाव के लिए प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पीकू द वॉटर गार्जियन नामक मॉडल के नल को बंद करके व्यर्थ बहाव को बंद किया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय की फोटो बगल में लगे एलईडी स्क्रीन में दिखी। मुख्यमंत्री श्री साय ने पीकू मॉडल का लोकार्पण करते हुए जल संरक्षण को प्रेरित करने वाली इस विशेष मॉडल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस पीकू मॉडल से लोगों में जल के बारे में जागरूकता फैलेगी। साथ ही लोग जल बचाव के लिए प्रेरित होंगे।

हाफ मैराथन के जरिये जल बचाने की कवायद में लोग दिखा रहे उत्साह

रायपुर। धमतरी ज़िले में जल जगार महा उत्सव के दौरान रविवार दूसरे दिन अल सुबह हाफमैराथन में सैकड़ों की तादाद में लोग पहुँच गये और जल जागरूकता के लिए आयोजित इस विराट आयोजन का हिस्सा बने । रविशंकर जलाशय गंगरेल डैम के मुहाने से शुरू हुई इस हाफमैराथन को तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया । इसमें गंगरेल हाफ मैराथन, एन्डुरन्स रन और वॉकेथॉन शामिल है। गौरतलब है कि गंगरेल हाफ मैराथन के तहत 21.1 किलोमीटर का मैराथन रन एन्डुरन्स रन के तहत 10 किलोमीटर का मैराथन और इसके साथ ही पारिवारिक मनोरंजन के लिए वॉकेथॉन के तहत 5 किलोमीटर का मैराथन में पुरुष और महिला दोनों श्रेणी में लोग हिस्सा लेते नज़र आये । ज्ञात हो यह पूरा आयोजन गंगरेल डैम के गेट से लेकर कुकरेल तक आयोजित किया गया और इससे पहले स्वस्थ तन मन के लिए जुंबा करते विभिन्न धुनों पर लोग थिरकते भी नज़र आये।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950